राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार, 02 अगस्त 2020 वर्ष–3, अंक –187 पृष्ठ–08 मूल्य–0रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्तार अब्बास नकवी बोले, वोटबैंक के लिए कांग्रेस ने तीन तलाक को संरक्षण दिया

नई दिल्ली। तीन तलाक खत्म होने की पहली वर्षगांठ पर केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने महिलाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के व्यापारियों ने तीन तलाक को राजनीतिक संरक्षण दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे अपराध बनाया, इससे मुस्लिम महिलाओं में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ा है। मुस्लिम महिलाएं (शादी पर अधिकारों के संरक्षण) अधिनियम 2019 की पहली वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम को वीडियो लिंक के जरिए संबोधित करते हुए नकवी ने कहा कि इस कानून के लागू होने के बाद तीन तलाक के मामलों में बेहद कमी आई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने भी इस मौके पर मुस्लिम महिलाओं को संबोधित किया।

केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का दावा, तीन तलाक कानून से थम गए शौहर-बीवी के बीच झगड़े

नकवी ने कहा कि एक अगस्त वह दिन है जब मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की सामाजिक बुराई से मुक्ति मिली। इतिहास में यह दिन मुस्लिम महिलाओं के अधिकार दिवस के तौर दर्ज है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ÷शाह बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के वक्त ही इस बुराई को खत्म किया जा सकता था, पर वोटबैंक के लिए कांग्रेस ने इस सामाजिक बुराई को राजनीतिक संरक्षण दिया। मुसलिम महिलाओं को उनके संवैधानिक और मौलिक अधिकारों से कई दशकों तक वंचित रखा।

इस कार्यक्रम में नई दिल्ली, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, मुंबई, भोपाल, हैदराबाद और तमिलनाडु के कृष्णागिरी समेत कई शहरों की मुस्लिम महिलाओं ने हिस्सा लिया।

यात्रियों के परिचय पत्र भी देखे जा रहे हैं। सख्ती का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अयोध्या सिटी सर्किल में भी प्रवेश करने वालों की जांच अभी से हो रही है।

राम मंदिर भूमि पूजन के पहले लॉक होगी अयोध्या, सभी बैरियर पर फोर्स तैनात

बाहरी की हो रही तलाश

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के भूमिपूजन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक व पुलिस अमला बेहद सतर्क हो गया है। अयोध्या में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर तीन अगस्त से पाबंदी लगा दी गई है। पहचान पत्र के अभाव में किसी को भी प्रवेश की इजाजत नहीं होगी।

प्रशासनिक व पुलिस अफसरों की और से तैयार किया जा रहा सुरक्षा खाका बेहद सख्त है। फिलहाल कोविड -19 की वजह से श्रावणी पूर्णिमा पर्व यानी तीन अगस्त से किसी भी बाहरी श्रद्धालु, व्यक्ति, समूह या फिर आमजन को अयोध्या में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी बैरियरों पर सुरक्षा घेरा बेहद सख्त है लेकिन प्रशासनिक व पुलिस अफसरों की ओर से तैयार किए गए सुरक्षा व्यवस्था के अनुसार यह प्रतिबंध श्रावणी पूर्णिमा पर्व तक ही नहीं वरन आगे भी चार व पांच अगस्त को लागू रहेगा। पुलिस सूत्रों की मानें तो ऐहतियात के तौर पर जो व्यवस्था की गई है उसके मद्देनजर तीन अगस्त के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत अयोध्या में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यही वजह है कि अभी से सभी बैरियर, मोर्चों व बार्डर चौकियों पर पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई है। बाहरी वाहनों व रोडवेज बसों की भी चेकिंग की जा रही है। यात्रियों के परिचय पत्र भी देखे जा रहे हैं। सख्ती का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अयोध्या सिटी सर्किल में भी प्रवेश करने वालों की जांच अभी से हो रही है।

आधार कार्ड जैसे सरकारी पहचान पत्र व दस्तावेज देखे जा रहे हैं। संदग्धिों की तलाश में होटल, धर्मशाला जैसे सार्वजनिक स्थलों पर भी गोपनीय जांच जारी है। बाहर से आकर जिले में रुके यात्रियों की मंशा को सुरक्षा एजेंसी भांपने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार बरती जा रही सख्ती सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट व कोविड- 19 से बचाव के दृष्टिगत हैं।

● प्रशासनिक व पुलिस अफसरों की और से तैयार किया जा रहा सुरक्षा खाका बेहद सख्त है। फिलहाल कोविड -19 की वजह से श्रावणी पूर्णिमा पर्व यानी तीन अगस्त से किसी भी बाहरी श्रद्धालु, व्यक्ति, समूह या फिर आमजन को अयोध्या में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी बैरियरों पर सुरक्षा घेरा बेहद सख्त है लेकिन प्रशासनिक व पुलिस अफसरों की ओर से तैयार किए गए सुरक्षा व्यवस्था के अनुसार यह प्रतिबंध श्रावणी पूर्णिमा पर्व तक ही नहीं वरन आगे भी चार व पांच अगस्त को लागू रहेगा।

महबूबा मुफ्ती की हिरासत अवधि 3 महीने बढ़ी

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट(पीएसए) के तहत पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की हिरासत अवधि तीन महीने और बढ़ा दी है. प्रधान सचिव, गृह, शालीन काबरा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार ने पीएसए के तहत अगले तीन महीने के लिए उनकी हिरासत अवधि को बढ़ाने का फैसला किया है और वह यहां गुपकर रोड स्थित फेयरव्यू उपजेल में रहेंगी। फेयरव्यू महबूबा के मुख्यमंत्री रहते उनका आधिकारिक आवास था, जिसे बाद में उपजेल घोषित कर दिया गया और हिरासत में लिए जाने के बाद वह वहीं पर हैं। उनकी हिरासत अवधि में यह बढ़ोतरी उस दिन की गई है, जब अधिकारियों ने पीपुल्स कांफ्रेंस के नेता और पूर्व मंत्री सज्जाद गनी लोन को नजरबंदी से मुक्त कर दिया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता महबूबा मुफ्ती को दो अन्य मुख्यमंत्रियों डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला के साथ पांच अगस्त को राज्य से अनुच्छेद 370 हटाने के दिन गिरफ्तार किया गया था। हालांकि मुफ्ती को छोड़कर दोनों अब्दुल्ला मुख्यमंत्रियों को रिहा किया जा चुका है।

EPF, बैंकिंग से लेकर LPG सिलेंडर तक लागू हो रहे हैं ये बड़े बदलाव

नई दिल्ली। एक अगस्त से न सिर्फ कोरोना अनलॉक 3.0 की गाइडलाइन्स लागू होंगी, बल्कि ऐसे कई बदलाव हो रहे हैं, जिनका सरोकार सीधे आम जनता से है। बैंक खातों, ईपीएफ से लेकर एलपीजी आदि तक में आज से बदलाव हो रहे हैं, जिनका असर आप पर पड़ना पूरी तरह से तय है। तो चलिए जानते हैं कि कोरोना काल में आज से आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना होगा।

ईपीएफ 12 फीसदी कटेगा–एक अगस्त से ईपीएफ 12 फीसद कटेगा। आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत छूट की सीमा आज खत्म हो रही है। मोदी सरकार ने इस पैकेज के तहत ईपीएफ में मासिक योगदान 24 फीसदी से घटाकर 20 फीसदी कर दिया था। मई में इसका ऐलान करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि लॉकडाउन में कारोबार बंद है इसलिए कंपनी और कर्मचारी दोनों का योगदान मई, जून और जुलाई 2020 के लिए 24 से घटाकर 20 फीसद किया गया है।

खाते में न्यूनतम बैलेंस पर शुल्क–अगर आप बैंक से संबंधित काम करने जा रहे हैं तो यह जानकारी जरूर जान लें। कई बैंकों में एक अगस्त से न्यूनतम बैलेंस की सीमा से जुड़े नियम बदलने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के बैंकिंग नियमों में यह बदलाव होने जा रहा है। वहीं, कुछ बैंक नकद निकासी पर शुल्क वसूलने की भी तैयारी कर रहे हैं।

एलपीजी की कीमतों में बदलाव

हर माह की पहली तारीख को कुकिंग गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव होता है। पिछले दो महीने से कीमत में लगातार तेजी आई है। अगस्त में एलपीजी की कीमत बढ़ेगी या घटेगी, शायद आज पता चल जाएगा।

पीएम किसान की किस्त आएगी–पीएम किसान योजना के तहत एक अगस्त से किसानों के बैंक खाते में सरकार 2000 रुपये की छठी किस्त भेजने वाली है। सरकार ने योजना की शुरुआत से लेकर अब तक देश के 9.85 करोड़ किसानों को नकद लाभ पहुंचाया है। एक साल में इस योजना के तहत किसानों के खाते में 6000 रुपये जमा कराए जाते हैं।

गाड़ी-बाइक का बीमा खरीदने में मिलेगी राहत–एक अगस्त से कार और बाइक के बीमा से जुड़े नियम बदलने जा रहे हैं। इरडा के निर्देशों के अनुसार, 1 अगस्त से गाड़ी खरीदते समय कार के लिए तीन साल का और बाइक के लिए पांच साल का थर्ड पार्टी कवर लेना जरूरी नहीं रहेगा। इस राहत के बाद नई गाड़ी खरीदारों को राहत मिलेगी। वह कीमत चुकाकर गाड़ी खरीद पाएंगे।

ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए नए नियम–एक अगस्त से ई-कॉमर्स कंपनियों को यह बताना जरूरी होगा की वो जिस उत्पाद की बिक्री कर रही हैं, वह कहां बना है।

कोरोना के साथ 'जीने का तरीका' सीखना होगा, लंबे समय तक लॉकडाउन ठीक नहीं- गडकरी

मुंबई। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि लंबे समय तक लॉकडाउन रहने से कोविड-19 महामारी की तुलना में और गंभीर संकट पैदा होगा. उन्होंने वायरस से निपटने के लिए 'जीने का तरीका' सीखने की सलाह दी। भाजपा नेता ने कहा कि लोगों की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है, क्योंकि महामारी से अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा, 'भूखे पेट में कोई दर्शन काम नहीं आता है। हमें कोविड-19 के साथ जीने का तरीका सीखना होगा।' एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा, 'हमें खुद की रक्षा और अर्थव्यवस्था को गति देने के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है।' उन्होंने स्वीकार किया कि कोरोना वायरस के कारण लागू किए गए लॉकडाउन से आर्थिक संकट पैदा हुआ है और केंद्र का राजस्व भी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक लॉकडाउन जारी रहने से कोविड-19 महामारी की तुलना में और गंभीर संकट पैदा होगा। गडकरी ने इसे अपनी निजी राय बताते हुए कहा कि लॉकडाउन के लाभ-हानि पर

● हमें कोविड-19 के साथ जीने का तरीका सीखना होगा।' एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा, 'हमें खुद की रक्षा और अर्थव्यवस्था को गति देने के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है।'

सवाल करने का यह विषय नहीं है.उन्होंने कहा, 'लॉकडाउन की जरूरत थी या नहीं, इस पर चर्चा करना ठीक नहीं है। उस समय उचित फैसले किए गए। हमें अनुभवों से सीखना होगा. लॉकडाउन पर राजनीति करने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें कोविड-19 संकट और इसके बाद के हालात से निपटने के लिए हर मुमकिन कदम उठा रही है।

चीन की चालबाजी से भारत वाकिफ, पूर्वी लद्दाख के एडवांस फ्रंट से अभी नहीं हटेंगे सेना के 32 हजार जवान

नई दिल्ली। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव के चलते पूर्वी लद्दाख में तैनात सेना के चार डिवीजन को अभी वापस नहीं बुलाया जाएगा। इनकी तैनाती लद्दाख में अग्रिम मोर्चों पर जारी रहेगी। सेना के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। इन चार डिवीजन में करीब 32 हजार जवान हैं। उस क्षेत्र में पहले से तैनात जवानों के अतिरिक्त ये डिवीजन हाल में वहां भेजे गए थे। सूत्रों ने कहा कि इसके कई कारण हैं। एक, एलएसी पर टकराव वाले कई क्षेत्रों से चीनी सेनाएं कुछ पीछे हटी हैं। लेकिन कई स्थानों पर अभी भी वे मौजूद हैं। दूसरे, चीनी सेनाएं एलएसी के निकटवर्ती इलाकों (चीन की तरफ) मौजूद हैं जिनकी संख्या 20 हजार से अधिक होने का अनुमान है। तीसरे, जिस प्रकार मई से लेकर अब तक चीन का पूरा रवैया इस मामले में सामने रहा है, यानी बार-बार वह पीछे हटने पर सहमति होता है लेकिन बाद में मुकर जाता है। उसके मद्देनजर चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इसलिए सेना अपनी तैयारियों में कोई चूक नहीं बरतना चाहती है।

चीन सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में करीब 10-12 वायुसेना अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है तथा अतिरिक्त लड़ाकू विमानों की तैनाती की गई है। यह तैनाती भी अभी जारी रहेगी।

क्वाड के चक्रव्यूह में फंसेगा चीन, हिन्द-प्रशांत में नहीं चलने दी जाएगी ड्रैगन की दादागिरी

सूत्रों ने कहा कि मौजूदा तैनाती किसी भी प्रकार की चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त है। यह तैनाती अभी जारी रहेगी। सूत्रों ने कहा कि पूरी सर्दियों के लिए तैयार की जा रही हैं। ज्यादातर तैयारियां पूरी भी हो चुकी हैं। इसके अलावा एलएसी के नजदीक के इलाकों में आने वाले वायुसेना के सभी स्टेशनों पर भी तैनाती जारी रहेगी।

यूरोपीय संघ ने पहली बार रूस, चीन और उत्तर कोरिया के साइबर जासूसों पर लगाया बैन

चीन सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में करीब 10-12 वायुसेना अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है तथा अतिरिक्त लड़ाकू विमानों की तैनाती की गई है। यह तैनाती भी अभी जारी रहेगी। सेना के सूत्रों ने इन खबरों को भी निराधार बताया कि एलएसी पर और सैनिकों की तैनाती की जाएगी। इस बीच पेंगोग क्षेत्र में जारी टकराव के मद्देनजर अगले सप्ताह सैन्य कमांडर स्तर की एक और बातचीत होने की संभावना है।

अब 30 सेकंड में होगा कोरोना टेस्ट ? दिल्ली में इजराइल की 4 तकनीक का ट्रायल जारी, जांच में आएगी और तेजी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की जांच में और तेजी लाने के लिए भारत और इजराइल साथ मिलकर एक खास तरह की रैपिड टेस्टिंग किट विकसित करने पर काम कर रहे हैं। राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) में एक ट्रायल किया जा रहा है, अगर यह ट्रायल सफल रहा है तो महज 30 सेकेंड में कोरोना की रिपोर्ट हासिल की जा सकती है। दरअसल, इजराइल के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित 30 सेकंड में कोरोना वायरस यानी कोविड-19 का पता लगाने वाले चार तकनीकों का मूल्यांकन दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में किया जा रहा है।

इस नई तकनीक के ट्रायल में करीब 10,000 लोगों का दो बार टेस्ट किया जाएगा; एक बार गोल्ड स्टैंडर्ड मॉलिक्युलर आरटी-पीसीआर टेस्ट और फिर चार इजराइली तकनीकों का उपयोग करके ये जांचा जाएगा कि क्या ये नवाचार सही से काम करेंगे। स्वैब सैंपल संग्रह विधि के विपरीत इस टेस्ट में लोगों को एक श्वासनली जैसे उपकरण के सामने झटका देना या बोलना होगा जो टेस्ट के लिए नमूना एकत्र करेगा।

शोधकर्ताओं का मानना है कि अगर यह ट्रायल सफल होता है तो न सिर्फ लोगों को महज तीस सेकेंड में कोरोना का रिजल्ट मिल जाएगा, बल्कि ये प्रौद्योगिकियां व्यवसायों के भी सुरक्षित मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं और लोग वैक्सीन विकसित होने तक कोरोना वायरस के साथ जीने में सक्षम भी हो सकेंगे। बता दें आरएमएल अस्पताल में इसका ट्रायल शुरू हो चुका है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले कुछ दिनों में इसके नतीजे आ सकते हैं।

इजराइल और भारत चार अलग-अलग तरह की तकनीकों के लिए

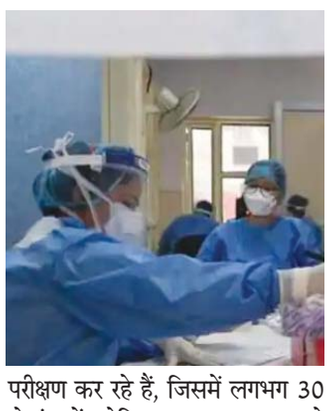

परीक्षण कर रहे हैं, जिसमें लगभग 30 सेकंड में कोविड-19 का पता लगाने की क्षमता है। इसमें एक श्वास विश्लेषक और आवाज परीक्षण (वॉयस टेस्ट) शामिल हैं। एक इजराइली बयान में यह जानकारी दी गई है। इनमें से दो टेस्ट लार नमूनों की जांच के बाद मिनटों में परिणाम देंगे। तीसरे तरीके में किसी के आवाज से ही बताया जा सकता है कि वह कोरोना संक्रमित है या नहीं। चौथे तरीके में सांस नमूने के रेडियो वेव से संक्रमण का पता लगाया जा सकेगा।

इजराइली विज्ञप्ति के अनुसार, भारत में इजराइली राजदूत रोन माल्का ने शुक्रवार को डा.राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में बनाये गए विशेष परीक्षण स्थल का दौरा किया, जहां उन्होंने पिछले तीन दिन से तीव्र कोविड-19 जांच के लिए किये जा रहे परीक्षणों को देखा।

इजराइल के रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान और विकास निदेशालय, भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, भारत के सहयोग और इजराइल एवं भारत के विदेश मंत्रालयों के समन्वय से संयुक्त रूप से तीव्र जांच विकसित की जा रही है। माल्का के साथ प्रो. के विजयराघवन भी थे, जो प्रधानमंत्री के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार हैं।

बयान में कहा गया है, आरएमएल अस्पताल परीक्षण स्थलों में से एक है, जिसने चार अलग-अलग प्रकार की तकनीकों का परीक्षण शुरू किया है, जिसमें कोरोना वायरस का पता लगाने की क्षमता 30 सेकंड से कम है। बता दें कि भारत की आबादी के लिहाज से कोरोना टेस्ट भी एक बड़ी समस्या है। अगर यह प्रयोग सफल होता है तो कोरोना की जांच सुलभ हो जाएगी और कोरोना के साथ लोगों का जीना भी आसान हो जाएगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

महामारी से महायुद्ध

बढ़ते कोरोना संक्रमण के समय डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के वेतन सुनिश्चित करने के लिए यदि सुप्रीम कोर्ट की जरूरत पड़ रही है, तो यह न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी केवल देश के नागरिक ही नहीं, बल्कि इस वक्त कोरोना के खिलाफ लड़ रहे योद्धा हैं, ऐसे योद्धाओं के वेतन-भत्ते सुनिश्चित करना किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पर पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक और त्रिपुरा जैसे राज्यों ने डॉक्टरों के भुगतान में देरी या ढिलाई की है। कुछ राज्यों ने डॉक्टरों के क्वारंटीन समय को भी छुट्टी माना है, यह तो और दुखद है। यह सब जानते हैं कि सौ से ज्यादा डॉक्टरों की मौत कोरोना से लड़ते हुई है और बड़ी संख्या में डॉक्टर कोरोना को पराजित करके ड्यूटी पर लौटे हैं, ऐसे में, तमाम सरकारों को इस सेवक बिरादरी का विशेष ध्यान रखना चाहिए था और शिकायत सुप्रीम कोर्ट में पहुंचने की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। इन कोरोना योद्धाओं के उत्साह और समर्पण को बनाए रखने के लिए भी विशेष पहल जरूरी है। उन इलाकों में तो खास तौर पर संवेदनशील पहल-प्रोत्साहन की जरूरत है, जहां मरीजों की सेवा से डॉक्टरों के बचने की शिकायतें आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत कदम उठाने का आदेश दिया, तो कोई आश्चर्य नहीं। केंद्र को इन बातों का खुद भी ध्यान रखना होगा और महामारी के समय सारा भार राज्यों के कंधों पर नहीं छोड़ना चाहिए। जिन राज्यों ने डॉक्टरों के वेतन में कोताही बरती है, उन्हें सुधार के लिए विवश करना समय की मांग है। ध्यान रहे, आज कोरोना के खिलाफ युद्ध जिस मुकाम पर है, हम अपनी लड़ाई या तैयारी में कहीं से भी कमी नहीं आने दे सकते। भारत में अकेले गुरुवार को 55,000 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। संक्रमितों ने 16 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। जाने गंवाने वालों की संख्या 36,000 के आंकड़े को छू चुकी है। आज चार लाख से अधिक संक्रमण के साथ महाराष्ट्र सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, लेकिन यह ज्यादा अफसोसजनक है कि डॉक्टरों की वेतन संबंधी शिकायतें महाराष्ट्र से भी आई हैं। कहना न होगा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब जैसे अपेक्षाकृत विकसित राज्यों को कोरोना के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करना चाहिए था। केंद्र ने भले ही अनलॉक होने की ओर बढ़ने संबंधी कुछ घोषणाएं की हैं, लेकिन सच यही है कि राज्यों की चिंता लगातार बढ़ रही है। ठीक होने वालों की संख्या बढ़ी है, 10 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं, चिंता यह कि संक्रमण के मामले अब 21 दिन में ही दोगुना होने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है, संख्या देखकर घबराने की ज्यादा जरूरत नहीं, हो सकता है कि जैसे-जैसे जांच की संख्या बढ़ रही है, वैसे-वैसे मामले भी बढ़ते लग रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों की जल्दी से जल्दी जांच व उसकी रिपोर्ट की ओर सरकार को और ध्यान देना चाहिए। जांच और नतीजों की खामियों को दूर करना भी जरूरी है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच दिशा-निर्देशों का स्पष्ट होना भी जरूरी है। यह भी विडंबना ही है कि लॉकडाउन और अनलॉक होने की प्रक्रिया साथ-साथ चल रही है। राज्यों के अंदर व राज्यों के बीच बेहतर समन्वय अब और जरूरी हो गया है, साथ ही, केंद्र की जिम्मेदारी भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

आज के ट्वीट

उत्सव

5 अगस्त को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर भगवान श्रीराम के भव्य तीन 3डचित्र प्रदर्शित करने की योजना के साथ भारतवंशी उत्सव मनाएँगे, भारत विरोधी कट्टर वामपंथी समूह ने इन आयोजकों को 'फासिस्ट हिंदू' बताते हुए इसके विरोध में जुटने की अपील की है।

--अर्णव गोस्वामी

सृजन-अनुसंधान का माहौल बनाये शिक्षा

अविजीत पाठक

आखिरकार छोटी उम्र के विद्यार्थियों को कुछ राहत देने हेतु केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने हाल ही में पाठ्यक्रम-सामग्री में कमी करने का आदेश दिया है, यह छूट खासकर ऐसे समय पर आई है जब कोरोना महामारी ने छात्रों में बेतरह संत्रास पैदा कर रखा है। उनकी सामान्य पढ़ाई प्रक्रिया को छिन्न-भिन्न कर दिया है। मौजूदा राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण के बीच कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पुस्तकों से कुछ पाठों को बाहर रखा गया जो लोकतंत्र, विविधता, नागरिकता और धर्मनिरपेक्षता से संबंधित हैं, हालांकि इसके पीछे के असल मंतव्य को लेकर बहस छिड़ी है। ऐसा समाज जो अपने लोकतांत्रिक, समतावादी और सांस्कृतिक एकरसता के मूल्यों को तेजी से खो रहा है, वहां इस बात पर चर्चा होने की पूरी संभावना है कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अथवा वहां बैठे शिक्षा मठाधीश, जो इतने भी मासूम नहीं हैं, उन्होंने उन मूल्यों को घटाना शुरू कर दिया है, जिनको सीखकर एक बच्चा अनेकवादी व लोकतांत्रिक समाज में बतौर जिम्मेवार नागरिक बड़ा होता है। हालांकि, इस विषय पर और गहरे गौर करने के लिए हमें 'दक्षिणवादी कदमों' और 'वामपंथी प्रतिक्रिया' से परे जाकर देखना होगा। यहां हमें पढ़ाई-संस्कृति, अध्यापन-प्रथाओं और आधिकारिक पाठ्यक्रम में छिपी राजनीति से संबंधित ईमानदार सवाल उठाने की जरूरत है। यह अहसास करने की जरूरत है कि महज सूचना देने का मतलब ज्ञान नहीं होता, और ऐसे अर्जित 'ज्ञान' पर गर्व करना कोई बुद्धिमत्ता नहीं है। तथापि स्कूली बच्चों के लिए ज्ञान का मतलब सूचना के ढेर में रूप में कर दिया गया है। विज्ञान हो या इतिहास, सामाजिक ज्ञान, ज्यामिती, नैतिक शिक्षा, जीव-विज्ञान, गणित हो या फिर कंप्यूटर तकनीक, हमारे बच्चों को या तो सूचना का ढेर ढोने को मजबूर किया जा रहा है या फिर पाठ्य पुस्तकों में दिए 'ज्ञान' की गोली को निगलना पड़ता है। हफ्तावार इम्तिहान, गर्मी की छुट्टियों में दिए जाने वाले निरर्थक प्रोजेक्ट और अपना प्रदर्शन लगातार बढ़िया रखने का दबाव वाली शिक्षा व्यवस्था बनाकर हमारे शिक्षा-कर्णधार, नीति-नियंता और नौकरशाहों ने पहले ही हमारे युवा दिमागों को उन अवयवों से महरूम कर दिया है जो किसी अर्थपूर्ण शिक्षा के लिए जरूरी है और अपने निजी वजूद को हल्का-फुल्का रखना, खुद जाकर चीजों का गहरा अवलोकन करना या एक घुमक्कड़ की तरबियत रखना। अभिभावकों के समूह से की गई बातचीत में पता चला है कि कोरोना महामारी वाले मौजूदा वक्त में भी विद्यालय ऑनलाइन पढ़ाई और पाठ्यक्रम पूरा करवाने के नाम पर अपने छात्रों पर असहनीय बोझ बनाए हुए हैं। दरअसल, बोर्ड परीक्षाओं में 99 से 100 प्रतिशत अंक लाने की आसक्ति के चलते सृजनशील पाठ्यशास्त्र अपना अर्थ गंवा बैठता है। यहां तक कि अक्सर बहुत से 'वामपंथी' भी यह अहसास करने से चूक जाते हैं कि अगर बच्चों के पाठ्यक्रम में रोमिला थापर या इरफान हबीब जैसे लेखकों के लेख या बिरसा मुंडा और सावित्रीबाई फुले पर आधारित पाठ शामिल करने भी दिए जाएं तो भी मौजूदा अध्यापन-शास्त्र के तौर-तरीके एवं मूल्यांकन प्रक्रिया का ढर्रा सब कुछ ध्वस्त कर देगा क्योंकि सब कुछ एक ही आधार पर टिका दिया गया है नंबरों वाला सवाल! ऐसा तंत्र मुर्दा है, इसमें कोई आत्मा नहीं है, यह विद्यार्थी में आंतरिक दोलन नहीं जगा सकता। न सिर्फ यही एक कारण है बल्कि लोकतंत्र के बारे में भी अलोकतांत्रिक ढंग से पढ़ाया जा रहा है, इसे पाओलो फ्रेरे के शब्दों में कहें तो शिक्षा को बैंकिंग सरीखे ढंग से दिया जा रहा है। यानी सर्वज्ञाता शिक्षक है जो यंत्रवत तरीके से पढ़ाता चला जा रहा है और अनमना-सा छात्र ग्रहण करता है! 12वीं कक्षा के एक औसत विद्यार्थी से पैब्लो नेरूदा और कमला दास के बारे पूछकर देखिए (हालांकि इनकी लिखी कविताएं पाठ्यक्रम में हैं)। इनका जिक्र करने पर आपको उनकी आंखों में न चमक दिखाई देगी, न ही कविता के लिए शौक जगेगा। तथ्य तो यह है कि कक्षा के नीरस-ढर्रेदार-उबाऊ माहौल में कविता जैसा सरस विषय कब का मर चुका है। इसलिए हमें कोई भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकतंत्र या मूल अधिकारों के बारे में पाठ पढ़ाने से बच्चों के बीच कौतूहल जगेगा। सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित कक्षाएं, एकतरफा संवाद करने वाले शिक्षक, ऑब्जेक्टिव किस्म के सवालों का त्वरित जवाब देने वाली प्रक्रिया को बढ़ावा देना और कक्षा में वर्गानुगत भेदभाव होता देख छात्रों को खुद अहसास हो जाता है कि किताबी ज्ञान और यथार्थ में कितना फर्क है। हालांकि, पाठ्यक्रम में जो कुछ है, मैं सभी के महत्व को नकार नहीं रहा हूं। मुझे यह भी अहसास है कि जिसे हम एक 'बहुमूल्य शिक्षा' की तरह आज देख रहे हैं, उसे बृहद राजनीतिक-आर्थिक विचारधारा से अलग नहीं किया जा रहा और समय-समय पर यह राजनीतिक झुकाव सभी रंगों के शिक्षा-मठाधीश चरित्रार्थ करते आए हैं, चाहे वे अंबेडकरवादी हों या मार्क्सवादी, दक्षिणपंथी हों या मध्यमार्गी। तभी तो केंद्रीय शिक्षा बोर्ड की पाठ्य पुस्तकों की समूची लीक पाठ्यक्रमों में राजनीतिक संदर्भ वाले झुकावों को चरितार्थ करती आई है। बतौर एक शिक्षक और चिंतातुर नागरिक मैं भी इस बात पर यकीन करता हूं कि हमारे बच्चों को स्वतंत्रता आंदोलन के ढके-छिपे विचारों को जानने के लिए प्रोत्साहित और बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मसलन गांधी के विचारों की आत्मा, भगत सिंह की तीव्रता और अंबेडकर द्वारा उठाए गए सवाल। उन्हें मालूम हो कि विविधता एवं अनेकता भरे समाज में जीने की कला क्या होनी चाहिए, उन्हें दूसरों को सुनने का माद्दा सिखाया जाना चाहिए, भले ही विचार एकदम विरोधी क्यों न हों। उन्हें विज्ञान, कविता, धार्मिकता एवं समतावाद, राष्ट्रभक्ति और विविधता भरे बड़े शहरों में जीने के तौरतरीकों के साथ बड़ा होना सिखाया जाए, यह भी बताया जाए कि वर्गविहीन समाज और सबको साथ लेकर चलने वाली मानसिकता क्या होती है। अन्य शब्दों में कहें तो 'वाम' और 'दक्षिण' वाली लीक से परे उन्हें मुक्त, वक्ता, मुलायम और ग्रहण करने वाला बनाना चाहिए। शायद सभी व्यावहारिक बड़े शिक्षाविदों जैसे कि गांधी, टैगोर, टॉलस्टॉय, कृष्णमूर्ति, इवान इल्लिच और पाओलो फ्रेरे के दिमाग में इसी आदर्श का विचार था। ज्ञान के बोझ से परे सूचना का भारी अंबार लगा देना और परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर जश्न मनाने वाला जो ढर्रा बना दिया गया है, उसने अध्यापक-छात्र के बीच गुणवत्तापूर्ण संबंध, खेल-खेल में चीजों को सीखने और भूल जाने के आनंद, वत्सल एवं और स्नेह बनाने की प्रवृत्ति को चोट पहुंचाई है। अफसोसनाक यह है कि हम इन बुनियादी विषयों पर शायद ही ध्यान देते हैं। इसकी बजाय घटिया राजनीति, नौकरशाहों की उदासीनता, पाठ्य-शास्त्र से कक्षा को लाद देना, राजनीतिक विचारधारा से प्रेरित पाठ्य पुस्तकें और जिंदगी बर्बाद करने वाली परीक्षा व्यवस्था आज के शैक्षणिक परिदृश्य का चरित्रण करती है। हम शायद ही कभी उस ढर्रे से परे देखते हैं, जिसमें 'दक्षिणपंथी प्रस्ताव लाते हैं' तो 'वामपंथी प्रतिक्रिया में विरोध' करते हैं, दक्षिणपंथी लोग शिवाजी और राणा प्रताप की वीरता को आगे रखना चाहते हैं तो वामपंथियों के लिए बच्चों को सर्वहारा का उफान और सोवियत क्रांति पढ़ाना जरूरी लगता है या नेहरूवादी चाहते हैं कि देश की आजादी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का योगदान उभारा जाए, वहीं अंबेडकरवादी इसको नकारना चाहते हैं। तथापि इन सबों में कोई भी वास्तव में शिक्षा की सही आत्मा बनाने को इच्छुक नहीं है। यानी ऐसा वातावरण बनाना, जिसमें बच्चे का कौतूहल जागे और वह उससे सीखे, अपने को और से जुड़ा समझे, प्यार बनाए और कुछ नयी सृजन एवं अनुसंधान करे।

लेखक समाज शास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

प्रेम

आचार्य रजनीश ओशो/ प्रेम शारीरिक नहीं है, इसका नाता कहीं विश्रांति से है, पिघलने से है, पूरा मिट जाने से है। उन पलों में यह मिट जाता है अत- निश्चित ही यह शारीरिक नहीं। तुम्हें अधिक प्रेम देना सीखना होगा। तुम्हें बस लेने का अनुभव है। तो पहला अनुभव जो उसके अचेतन तक पैठ जाता है वह प्रेम लेने का है। परंतु समस्या यह है कि हर व्यक्ति बच्चा रहा है, और हर व्यक्ति के भीतर प्रेम पाने की आकांक्षा है; कोई भी किसी अलग ढंग से पैदा नहीं हुआ है। तो सभी मांग रहे हैं, 'हमें प्रेम दो' लेकिन देने वाला कोई भी नहीं क्योंकि वे भी उसी तरह पैदा हुए हैं। हमें सजग व सचेत रहना चाहिए कि हम जन्म की यह अवस्था हमारे पूरे जीवन पर आच्छादित न हो जाए। प्रेम देना बहुत सुंदर अनुभव है क्योंकि देने में तुम सम्राट हो जाते हो। लेना बहुत तुच्छ अनुभव है क्योंकि तुम भिखारी हो जाते हो। जहां तक प्रेम का प्रश्न है, भिखारी मत बनो, सम्राट रहो क्योंकि तुम्हारे भीतर यह गुणवत्ता असीम है। तुम जितना देना चाहो, दिए चले जा सकते हो। तुम चिंता मत करना कि यह चुक जाएगा, कि एक दिन तुम पाओगे कि 'हे प्रभु, मेरे पास तो प्रेम देने के लिए बचा ही नहीं।' प्रेम मात्रा नहीं, गुणवत्ता है, ऐसी गुणवत्ता..जो देने से बढ़ती है और पकड़े रहने से मर जाती है। अत- इसे पूरी तरह लुटा दो। चिंता मत लो, किसे..यह कंजूस व्यक्ति सोचता है- मैं उसे प्रेम दूंगा जिसमें अमुक गुण होंगे। तुम्हें पता ही नहीं कि तुम्हारे पास कितना प्रेम है..तुम भरे हुए बादल हो। बादल चिंता नहीं लेता कि कहां बरसे। चट्टान हो कि उपवन या कि सागर, कोई परवाह नहीं। यह स्वयं को हल्का करना चाहता है और वह निर्भारता ही विश्रांति है। तो पहला रहस्य है- इसे मांगें मत, प्रतीक्षा मत करें कि कोई आएगा तो हम देंगे। बस दे दें। अपना प्रेम किसी को भी दें..किसी अजनबी को ही सही। प्रश्न यह नहीं है कि तुम कुछ बहुत कीमती दे रहे हो, कुछ भी, थोड़ी सी सहायता, और वह काफी है। चौबीस घंटों में तुम जो भी करते हो उसे प्रेम से करो और तुम्हारे दिल की पीड़ा मिट जाएगी। और क्योंकि तुम इतने प्रेमपूर्ण होओगे, लोग तुम्हें प्रेम करेंगे। यह स्वाभाविक नियम है। तुम्हें वही मिलता है जो तुम देते हो। वास्तव में तुम उससे अधिक पाते हो जो तुम देते हो। देना सीखो और पाओगे कि लोग तुम्हारे प्रति कितने प्रेमपूर्ण हैं, वही लोग जिन्होंने तुम्हारे प्रति कभी ध्यान नहीं दिया। तुम्हारी समस्या यही है कि तुम्हारा दिल प्रेम से भरा है, लेकिन तुम कंजूस रहे हो; वही प्रेम तुम्हारे दिल पर बोझ हो गया है।

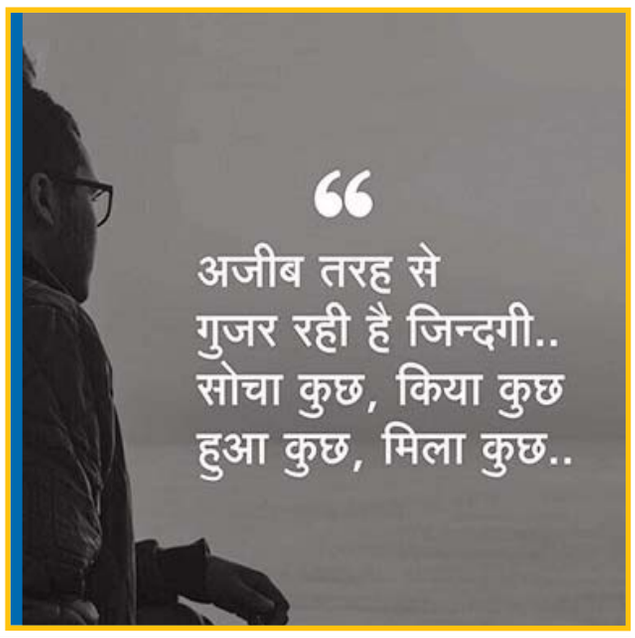

अदालती दखल से आधी दुनिया को पूरा हक

दीपिका अरोड़ा

भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान करने हेतु रक्षा मंत्रालय द्वारा आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी गई है। 23 जुलाई को रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी किए गए स्वीकृति पत्र के अनुसार अब सेना में विभिन्न शीर्ष पदों पर महिलाओं की तैनाती संभव हो पाएगी। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने 17 फरवरी, 2020 को एक याचिका पर सुनवाई के पश्चात महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन एवं कमांड पोस्ट दिए जाने की वकालत की थी तथा आदेश लागू करने के लिए तीन माह का समय निर्धारित किया था। मामला पुन- उठाए जाने पर केंद्र सरकार को एक माह की मोहलत दी गई थी। इससे पहले सेना में महिलाओं की भर्ती शार्ट सर्विस कमीशन (एस.एस.सी.) के माध्यम से ही होती थी। वे केवल 14 साल तक ही सेना में अपनी सेवाएं दे सकती थीं, तत्पश्चात उन्हें रिटायर कर दिया जाता था, जबकि सेना में नियमानुसार पेंशन पाने के लिए 20 साल तक नौकरी करना आवश्यक है। वर्ष 1992 में एयरफोर्स में चयनित अनुपमा ने पहले पांच वर्ष की सर्विस के पश्चात इस भेदभाव के खिलाफ आवाज़ उठाई व तीन साल का एक्सटेंशन लिया। 2002 में अधिकारियों से कोई जवाब न मिलने पर वायुसेना प्रमुख को पत्र लिखा, पुन- कोई उत्तर न आने पर 2006 में कोर्ट में याचिका दर्ज की। 2008 में रिटायरमेंट के पश्चात भी उनका संघर्ष जारी रहा। 17 फरवरी, 2020 को सेना में तैनात 51 अफसरों की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट द्वारा सरकार की सोच को रूढ़िवादी एवं लैंगिक भेदभाव वाली करार देते हुए सेना में महिला अफसरों को कमांड पोस्टिंग देने का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया। जस्टिस धनन्जय वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने शारीरिक सीमाओं और सामाजिक चलन को आधार बनाकर कमान पदों पर महिलाओं की नियुक्ति न करने वाली सरकार व सेना को फटकारा। सुप्रीमकोर्ट ने कहा कि हकीकत में समानता लाने के लिए सोच का बदलना जरूरी है। कमांड पोस्ट पर महिलाओं की नियुक्ति न होना संविधान के अनुच्छेद 14 के खिलाफ है।' अपने आदेश में 11 महिला सैन्य अधिकारियों की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां गिनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार की यह सोच, कि महिलाएं सामाजिक दायित्वों के चलते खतरा झेलने में सक्षम नहीं हो सकतीं, महिलाओं के साथ-साथ सेना का भी अपमान है।' कैप्टन तान्या शेरगिल का उदाहरण देकर सुप्रीमकोर्ट ने याद दिलाया कि आर्मी ऑफिसर कैप्टन तान्या शेरगिल भारत की पहली ऐसी महिला ऑफिसर हैं जिन्होंने 71वें गणतन्त्र दिवस परेड में सैन्य टुकड़ी की कमान संभाली। संकीर्ण मानसिकता की अवधारणा को कपोलकल्पित साबित करते हुए महिला पक्ष की वकील ऐश्वर्या भाटी ने विगत 28 वर्षों में महिलाओं द्वारा लिखी शौर्य गाथाओं की मिसालें पेश करने के साथ ही कोर्ट को स्मरण कराया कि कैसे मेजर मिताली ने काबुल में 19 लोगों को बचाया था और कैसे स्कवॉड्रन लीडर मिंटी अग्रवाल ने बालाकोट स्ट्राइक के बाद पाक हमले को नाकाम करने में सराहनीय भूमिका का निर्वाह किया। बहरहाल, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का क्रियान्वयन हुआ है। शॉर्ट सर्विस कमीशन की सभी महिला अधिकारियों को सेना के दस वर्गों अर्थात आर्मी, एयर डिफेंस, सिग्नल्स, इंजीनियर, आर्मी एविएशन, इलैक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आर्मी सर्विस कोर, आर्मी ऑर्डिनैंस कोर तथा इंटेलीजैंस कोर में स्थाई कमीशन देने को कहा है। इसके साथ ही जज एंड एडवोकेट जनरल, आर्मी एजुकेशनल कोर में भी उन्हें नियुक्ति मिलेगी। हालांकि यह आदेश कॉम्बेट अर्थात सीधे युद्ध में उतरने वाली विंग पर लागू नहीं होगा। इसमें नौकरी की अवधि मायने नहीं रखेगी। 14 साल से ज्यादा समय से नौकरी कर रही तथा स्थायी कमीशन का विकल्प न लेने वाली महिला अधिकारी पेंशन की पात्रता हेतु 20 साल तक नौकरी कर सकेगी। स्थायी कमीशन का विकल्प चुनते समय महिला अधिकारी को भी पुरुष अधिकारी की भांति ही च्वाइस ऑफ स्पेशलाइजेशन और अन्य शर्तों का पालन करना होगा। मामले के आधार पर निर्णय लेते हुए कमांड पोस्टिंग के दरवाज़े भी महिलाओं के लिए खोल दिए गए हैं। जैसे ही प्रभावित महिला अधिकारी अपने विकल्प का प्रयोग करते हुए वांछनीय दस्तावेजों को प्रस्तुत करेंगी, चयन बोर्ड अनुसूचित हो जाएगा। गौरतलब है कि सेना में केवल 1,653 महिला अफसर हैं, जोकि सेना अधिकारियों का मात्र 3. 89 प्रतिशत है। आखिकार विंग कमांडर अनुपमा का संघर्ष अंतत- रंग ले ही आया। इस आदेश के बाद शीघ्र ही स्थायी कमीशन सिलेक्शन बोर्ड की ओर से महिला अफसरों की तैनाती हो सकेगी।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीसीए के दायरे से बाहर आने को तैयार है यूको बैंक : अधिकारी

कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने लगातार दो तिमाहियों में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। अब यूको बैंक रिजर्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) व्यवस्था से बाहर आने को तैयार है। बैंक के एक अधिकारी ने शनिवार को यह बात कही। केंद्रीय बैंक ने गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के ऊंचे स्तर तथा संपत्तियों पर नकारात्मक रिटर्न की वजह से मई, 2017 में बैंक को पीसीए के तहत डाला था। अधिकारी ने कहा, 'हम रिजर्व बैंक से पीसीए ढांचे से बाहर निकलने के लिए संपर्क करने की तैयारी में हैं। बैंक ने लगातार दो तिमाहियों में शुद्ध लाभ कमाया है।' उन्होंने कहा कि 30 जून तक बैंक का एनपीए तथा पूंजी पर्याप्तता अनुपात का स्तर उसे पीसीए के दायरे से बाहर लाने का पात्र बनाता है। जून में समाप्त तिमाही में यूको बैंक का शुद्ध एपीए घटकर 4.95 प्रतिशत रह गया। इस दौरान पूंजी पर्याप्तता अनुपात 11.65 प्रतिशत रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बैंक ने 21.46 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में वित्त निदेशक की नियुक्ति

बेंगलुरु। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (भेल) ने शनिवार को बताया कि उसने दिनेश कुमार बत्रा को वित्त निदेशक नियुक्त किया है। भेल ने एक बयान में कहा कि बत्रा ने 1984 में भेल के गाजियाबाद इकाई से भेल में करियर शुरू किया था। साढ़े तीन दशक के करियर में उन्होंने दिल्ली, पुणे और बेंगलुरु की विभिन्न इकाइयों में सेवाएं दीं बयान में कहा गया है कि उन्होंने इससे पहले महाप्रबंधक के रूप में भेल के कॉरपोरेट कार्यालय, दिल्ली और पुणे के क्षेत्रीय कार्यालयों में आंतरिक ऑडिट का नेतृत्व किया। वह कानपुर की हारकोर्ट बटलर टेकनिकल यूनिवर्सिटी (एबीटीयू) , भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (दिल्ली) और मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (गुड़गांव) में पढ़े हुए हैं।

सेबी ने पैनकार्ड क्लब, चार निदेशकों पर लगाया 20 करोड़ रुपये जुर्माना- भुगतान के लिए 45 दिनों का समय

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पैनकार्ड क्लब्स और उसके चार निदेशकों पर गैरकानूनी तरीके से बिना पंजीकरण वाली सामूहिक निवेश योजनाओं (सीआईएस) के जरिये निवेशकों से धन जुटाने पर शुक्रवार को कुल 20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया। सेबी ने एक आदेश में कहा कि यह कंपनी पैनेरोमिक ग्रुप ऑफ कंपनीज का हिस्सा है, जो आतिथ्य सत्कार, टाइमशेयर, यात्रा व पर्यटन और सूचना प्रौद्योगिकी में रुचि रखती है। सेबी ने कहा कि ये निकाय संयुक्त रूप से और गंभीर रूप से जुर्माना राशि का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं। कंपनी के निदेशकों में मनीष कालिदास गांधी, चंद्रसेन गणपतराव भिसे, रामचंद्रन रामकृष्णन और शोभा रत्नाकर बर्डे शामिल हैं। सेबी ने एक जांच के दौरान पाया कि सामूहिक निवेश योजना विनियमों के तहत अनिवार्य रूप से नियामक से अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त किये बिना कंपनी निवेशकों से धन जुटाने में संलिप्त थी। सेबी ने बाजार के इन्हीं प्रावधानों का उल्लंघन करने को लेकर कंपनी और उसके निदेशकों पर जुर्माना लगाया है। सेबी ने जुर्माना राशि का भुगतान करने के लिये 45 दिनों का समय दिया है। यदि कंपनी व उसके निदेशक समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं कर पाते हैं तो उनसे वसूली की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। सेबी ने शुक्रवार को एक अलग आदेश में बताया कि परिचय इंवेस्टमेंट लिमिटेड (पीआईएल) के शेयरों को लेकर गलत तरीके से मात्रा दिखाने और धोखाधड़ी युक्त व्यापार करने को लेकर 16 व्यक्तियों पर कुल 1.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सेबी ने कहा कि इस मामले में पीआईएल के शेयरों के 21 जुलाई 2010 से लेकर 30 अगस्त 2011 के दौरान हुए कारोबार की जांच की गयी। जांच में पाया गया कि संलिप्त व्यक्ति प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष तौर से आपस में जुड़े हुए थे।

आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत कर्ज देने से मना नहीं कर सकता कोई भी बैंक: निर्मला सीतारमण

बिजनेस डेस्क।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मंत्रालय भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ लोन मोरेटोरियम को बढ़ाने के लिए बातचीत कर रहा है। लोन मोरेटोरियम की सुविधा 31 अगस्त को समाप्त हो जाएगी। 31 अगस्त के बाद भी ग्राहकों के लिए लोन चुकाने में छूट की अवधि बढ़ सकती है लेकिन बैंकों की ओर से इसका विरोध किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत सेक्टर को कर्ज देने से कोई भी बैंक मना नहीं कर सकता। अगर ऐसा कोई मामला है तो वो शिकायत करें। वो खुद इस मामले को देखेंगी। सीतारमण ने उद्योग संगठन फिक्की के एक कार्यक्रम में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का जिक्र करते हुए कहा कि लॉकडाउन की वजह से ये सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस सेक्टर को इस साल 90,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। इस सप्ताह की शुरुआत में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के साथ एक बैठक के दौरान, भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश भारती मित्तल ने भी स्थगन का विस्तार करने की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि अगर आगे भी ये सुविधा नहीं दी गई, तो इस साल एनपीए सूची में शामिल होने वाली कंपनियां ज्यादा होंगी। वहीं शुक्रवार को देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने अपने तिमाही नतीजे घोषित किए। परिणाम से यह स्पष्ट हुआ कि वह अधिस्थगन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। एसबीआई के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि जिन 9.5 फीसदी खाताधारकों ने अधिस्थगन का लाभ उठाया था, उनमें से बैंक द्वारा किए गए खातों की जांच के आधार पर 5.2 फीसदी कॉर्पोरेट इकाइयां थीं, जो सितंबर से ऋण सेवा देने की स्थिति में थीं। सिर्फ एसबीआई ही नहीं, बल्कि एचडीएफसी के चेयरमैन दीपक पारेख ने भी कहा था कि कर्ज स्थगन को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। जो लोग भुगतान करने की क्षमता रखते हैं।

जुलाई में महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री 36 प्रतिशत घटी

नईदिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री जुलाई में 36 प्रतिशत घटकर 25,678 इकाई रह गई। इससे पिछले साल के समान महीने में कंपनी ने 40,142 वाहन बेचे थे। कंपनी ने शनिवार को बयान में कहा कि जुलाई में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 35 प्रतिशत घटकर 24,211 इकाई रह गई, जो जुलाई, 2019 में 37,474 इकाई रही थी। समीक्षाधीन महीने में कंपनी का निर्यात 45 प्रतिशत घटकर 1,467 इकाई रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 2,668 इकाई रहा था। यात्री वाहन खंड (यूटिलिटी वाहन, कार और वैन) में कंपनी की बिक्री 34 प्रतिशत घटकर 11,025 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 16,831 इकाई रही थी। वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की बिक्री 18 प्रतिशत घटकर 15,969 इकाई से 13,103 इकाई पर आ गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ऑटोमोटिव खंड) विजय राम नाकरा ने कहा, 'हमारी कुल वाहन बिक्री में वृद्धि का रुख दिखने लगा है। मांग में लगातार सुधार हो रहा है। विशेषरूप से ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों की मांग अच्छी है।'

जुलाई में मारुति सुजुकी की घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ी, निर्यात घटा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की कुल बिक्री जुलाई में 1.1 प्रतिशत घटकर 1,08,064 इकाई रह गई। पिछले साल के समान महीने में कंपनी ने 1,09,264 वाहन बेचे थे।कंपनी ने शनिवार को बयान में कहा कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री हालांकि 1.3 प्रतिशत बढ़कर 1,01,307 इकाई पर पहुंच गई। जुलाई, 2019 में यह आंकड़ा 1,00,006 इकाई का रहा था। जुलाई में कंपनी की मिनी कारों...आल्टो तथा वैगन-आर की बिक्री 49.1 प्रतिशत बढ़कर 17,258 इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले साल के समान महीने में 11,577 इकाई रही थी। हालांकि, कंपनी की कॉम्पैक्ट कारों...स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर की बिक्री इस दौरान 10.4 प्रतिशत घटकर 51,529 इकाई रह गई, जो एक साल पहले 57,512 इकाई रही थी। मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री घटकर 2,397 इकाई से 1,303 इकाई रह गई। हालांकि, कंपनी के यूटिलिटी वाहनों...विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा की बिक्री 26.3 प्रतिशत बढ़कर 19,177 इकाई पर पहुंच गई, जो जुलाई, 2019 में 15,178 इकाई रही थी। जुलाई महीने में कंपनी का निर्यात 27 प्रतिशत घटकर 6,757 इकाई रह गया। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 9,258 वाहनों का निर्यात किया था।

सरकार शीघ्र ही रणनीतिक क्षेत्रों की सूची जारी करेगी: वित्त मंत्री

नयी दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार कहा कि सरकार जल्द ही सार्वजनिक क्षेत्र की एक नयी उद्यम नीति लायेगी, जो रणनीतिक क्षेत्रों को परिभाषित करेगी। सरकार घोषणा कर चुकी है कि किसी भी रणनीतिक क्षेत्र में चार से अधिक सार्वजनिक उपक्रम नहीं होंगे। । सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी से अर्थव्यवस्था को उबारने के लिये मई में घोषित 'आत्मनिर्भर भारत' राहत पैकेज में कहा था कि रणनीतिक क्षेत्र की नयी परिभाषा के तहत इस दायरे में सार्वजनिक क्षेत्र की अधिकतम चार कंपनियां होंगी। रणनीतिक क्षेत्रों में चार से अतिरिक्त सरकारी कंपनियों का अंततः निजीकरण किया जायेगा। उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत में रणनीतिक क्षेत्रों की सूची के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम इस पर काम कर रहे हैं ... इसे जल्द ही मंत्रिमंडल के पास भेजा जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि रणनीतिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में अधिकतम चार सार्वजनिक उपक्रम तय करने के विभिन्न मॉडल हो सकते हैं। या तो उनका आपस में विलय कर दिया जायेगा, या उन्हें इस तरह से एक साथ लाया जायेगा कि हर क्षेत्र में केवल चार या उससे कम सरकारी कंपनियां हों। रणनीतिक क्षेत्रों की सूची अधिसूचित की जायेगी। इनमें निजी कंपनियों के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के कम से कम एक और अधिकतम चार सार्वजनिक उद्यम होंगे। अन्य क्षेत्रों में, व्यवहार्यता के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उद्यमों (सीपीएसई) का निजीकरण किया जायेगा। वित्त मंत्री ने पैकेज की घोषणा करते हुए कहा था, हम एक पीएसई नीति की घोषणा करना चाहते हैं, जैसा कि एक आत्मनिर्भर भारत को एक सुसंगत नीति की आवश्यकता है। सभी क्षेत्रों को निजी क्षेत्रों के लिये भी खोला जायेगा उन्होंने कहा, ''पीएसई परिभाषित क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। हमें एक सुसंगत नीति की आवश्यकता है, क्योंकि कभी-कभी आप कुछ क्षेत्रों को टुकड़ों में खोलते हैं ... अब हम उन क्षेत्रों को परिभाषित करेंगे ... जहां उनकी उपस्थिति प्रभावपूर्ण रूप से महसूस होगी। अगले हफ्ते रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि इस बारे में निर्णय आरबीआई को लेना है।

अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से कठिनाई अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से कठिनाई से बाहर आने की कोशिश कर रहा है, लेकिन महामारी से जुड़ी अनिश्चितता के कारण इस समय पूरी तस्वीर खींचना मुश्किल होगा।

विमान ईंधन तीन प्रतिशत हुआ महंगा, दो महीनें में पांचवी बार बढ़े भाव

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने विमान ईंधन का भाव शनिवार को तीन प्रतिशत बढा दिया। विमान टर्बाइन ईंधन के भाव में दो महीनें में यह लगातार पांचवीं वृद्धि है। डीजल, पेट्रोल और रसाईं गैस के भाव पिछले स्तर पर बने हुए हैं। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शनिवार को जारी मूल्य समीक्षा संबंधी एक अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में विमान ईंधन का भाव 1304.25 रुपये प्रति हजार लीटर या तीन प्रतिशत बढ़ा कर 43,932.53 रुपये प्रति किला लीटर कर दिया गया है। पिछली बार गत 16 जुलाई को विमान ईंधन का भाव 1.5 प्रतिशत (635.47 रुपये प्रति हजार लीटर) बढ़ाया गया था। पिछली चार बार की मूल्य समीक्षा में विमान ईंधन का भाव प्रति हजार लीटर कुल मिला कर 22,483.91 रुपये बढ़ गया था। दिल्ली में पेट्रोल का भाव एक माह से 80.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 73.56 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। पेट्रोल इससे पहले सात जून से 29 जून के बीच इसमें कुल मिला कर 9.17 रुपये और डीजल सात जून से कुल 12.15 रुपये महंगा हुआ था। रसोईं गैस की दर भी एक जुलाई के बाद नहीं बढ़ी है। एक जुलाई को गैर सब्सिडी वाला 14.2 किलो गैस का सिलेंडर दिल्ली में एक रुपये बढ़ा कर 594 रुपये के भाव कर दिया गया था। रसोईं गैस फरवरी में 858.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गयी थी।

भारत बनेगा स्मार्टफोन एक्सपोर्ट हब, 22 कंपनियों ने दिखाया इंट्रेस्ट

नई दिल्ली।

आत्मनिर्भर भारत और देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में सरकार लगातार फैसले ले रही है और इसका असर भी दिखाई देने लगा है। इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड इंफॉर्मेशन टेक्नॉलजी मिनिस्टर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत पूरी दुनिया की 22 कंपनियों ने आवेदन किया है। प्रसाद ने कहा कि ये कंपनियां अगले पांच सालों में 11.5 लाख करोड़ का मोबाइल फोन और कंपोनेंट तैयार करेंगी। इनमें से 7 लाख करोड़ का प्रॉडक्ट निर्यात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां 3 लाख डायरेक्ट और करीब 9 लाख इनडायरेक्ट जॉब्स भी पैदा करेंगी। जानकारी के मुताबिक एप्पल की दूसरी सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्रर कंपनी , सैमसंग जैसी कंपनियों ने इस स्कीम के लिए आवेदन किया है। इन कंपनियों ने आने वाले समय में 11 हजार करोड़ का भारी निवेश का वादा किया है। भारत को स्मार्टफोन एक्सपोर्ट हब बनाने के लिए मोदी सरकार ने प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की शुरुआत की है। इस स्कीम का बजट 41 हजार करोड़ है और सरकार का मकसद इसके जरिए दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करना है। सूत्र ने कहा कि इस योजना के तहत प्रस्ताव जमा कराने वाली विदेशी कंपनियों में सैमसंग, फॉक्सकॉन होन हेई, राइजिंग स्टार, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन शामिल हैं। फॉक्सकॉन होन हेई, विस्ट्रॉन तथा पेगाट्रॉन कॉन्ट्रैक्ट पर एप्पल आईफोन का प्रॉडक्शन करती हैं। ताइवान की पेगाट्रॉन भारत में नई निवेशक है। वैश्विक स्तर पर मोबाइल फोन बिक्री कारोबार में एप्पल और सैमसंग का हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है। सूत्र ने बताया, इन प्रस्तावों के तहत अगले पांच साल में 15,000 रुपए से अधिक कीमत के करीब नौ लाख करोड़ रुपए के मोबाइल हैंडसेटों का उत्पादन किया जाएगा। वहीं 15,000 रुपए से कम कीमत के दो लाख करोड़ रुपए के मोबाइल हैंडसेटों का उत्पादन होगा। सूत्र ने कहा कि प्रस्तावित उत्पादन क्षमताओं से करीब सात लाख करोड़ रुपए की निर्यात मांग को भी पूरा किया जाएगा।

इस योजना के तहत आवेदन करने वाली भारतीय कंपनियों में लावा, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, माइक्रोमैक्ट तथा पैजट इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। योजना के तहत लावा का अगले पांच साल में 800 करोड़ रुपए का निवेश करने का इरादा है।

टोयोटा किर्लोस्कर की बिक्री जुलाई में 48प्रतिशत घटकर 5,386 इकाई पर

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) की घरेलू बाजार में बिक्री जुलाई माह में 48.32 प्रतिशत घटकर 5,386 इकाई रह गई। पिछले साल समान महीने में कंपनी ने घरेलू बाजार में 10,423 वाहन बेचे थे। जून में घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री 3,866 इकाई रही थी। टीकेएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं सेवा) नवीन सोनी ने बयान में कहा, ''कई तरह की चुनौतियों के बावजूद जुलाई में कंपनी की खुदरा और थोक बिक्री जून की तुलना में बेहतर रही है। उन्होंने कहा कि अनलॉक के बाद जून पहला महीना रहा था। इसमें मांग फिर उबरी तथा खुदरा बिक्री अच्छी रही। इसकी वजह ग्राहकों के लंबित ऑर्डर तथा दबी मांग थी। उन्होंने कहा कि पिछले महीने बेंगलुरु में लॉकडाउन की वजह से कंपनी को अस्थायी रूप से चार दिन के लिए अपना संयंत्र बंद करना पड़ा। इस वजह से उत्पादन भी तय योजना से कम रहा।

टीवी आयात पर प्रतिबंध से घरेलू उद्योग को मिलेगी मदद, सृजित होंगे रोजगार: विनिर्माता

नई दिल्ली।

उद्योग जगत का मानना है कि टेलीविजन (टीवी) सेटों के आयात पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के कदम से देश में घरेलू विनिर्माण और असेंबलिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। सोनी, एलजी, पैनासोनिक, थॉमसन जैसे ब्रांडों और डिक्सन टेक्नोलॉजीज जैसे अनुबंध निर्माताओं का कहना है कि यह प्रतिबंध स्थानीय विनिर्माण के लिये गति उत्पन्न करेगा तथा घरेलू उद्योग के लिये अवसर पैदा करेगा। डिक्सन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन सुनील वाचानी ने कहा भारत न सिर्फ भारतीय बाजारों के लिये, बल्कि वैश्विक बाजार के लिये भी टीवी के निर्माण का अगला केंद्र बन सकता है। यह कदम निश्चित रूप से सही दिशा में है और हमें वैश्विक केंद्र बनाने में मदद करेगा, जो हम बनना चाहते हैं। यह उत्पादों के विनिर्माण के लिये एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भी मदद करेगा।उन्होंने कहा कि इससे छोटी अवधि में टीवी सेटों के आयात को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और उद्योग आवश्यक पैमाने के साथ आत्मनिर्भर होगा तथा वैश्विक बाजारों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। वाचानी के अनुसार, भारतीय टीवी बाजार के प्रति वर्ष लगभग 160 से 170 लाख यूनिट के हो जाने के अनुमान हैं और इनमें से करीब 30 प्रतिशत चीन, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों से आयात किये जाते हैं। उन्होंने कहा यह (आयात) स्थानीय उत्पादन के सात हजार करोड़ रुपये के बराबर है। पैनासोनिक इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनीष शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं को अब भारत में असेंबल होने वाले उच्च गुणवत्ता वाले टीवी सेट मिलने जा रहे हैं। उन्होंने कहा यह निश्चित रूप से घरेलू असेंबलिंग पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। अग्रणी ब्रांडों के पास पहले से ही देश में विनिर्माण और असेंबलिंग इकाइयां हैं। इसलिये, यह हमें प्रभावित नहीं करने वाला है। उद्योग निकाय कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायन्सेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) ने कहा कि पूरी तरह से निर्मित टीवी के आयात को प्रतिबंधित सूची में डालने का कदम घरेलू विनिर्माण को समर्थन देगा।

सऊदी अरामको को पछाड़ दुनिया की सबसे महंगी कंपनी बनी एप्पल

सैन फ्रांसिस्को।

महामारी के बावजूद साल की शुरूआत में बेहतर नतीजे के साथ आने के बाद टेक जाएंट-एप्पल अब सऊदी अरब की तेल कम्पनी- सऊदी अरामको पछाड़ दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची में पहले पायदान पर है, जिसकी बाजार पूंजी 184,000 करोड़ डॉलर (1.84 ट्रिल्यन डॉलर) है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेहतर कारोबार के साथ एप्पल के शेयरों में शुक्रवार तक 10.47 फीसदी उछाल आया है और इसी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी को पीछे करते हुए एप्पल सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है।

सऊदी अरामको की बाजार पूंजी फिलहाल 176,000 करोड़ डॉलर (1.76 ट्रिल्यन डॉलर) है।

एप्पल के शेयर में इस साल 44 फीसदी तेजी

महामारी के चलते एप्पल की सप्लाई चेन प्रभावित हुई थी और इसके चलते आईफोन निर्माण कंपनी को दुनियाभर में अपने सारे रिटेल स्टोर्स भी बंद रखने पड़े लेकिन इन सबके बावजूद कंपनी के शेयरों में इस साल 44 फीसदी तक की बढ़त रही। एप्पल ने अपने वित्त वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही में 59.70 अरब डॉलर का कारोबार किया है जो पिछले साल की तिमाही से 11 फीसदी ज्यादा है।

सैमसंग, एप्पल के लिए ठेके पर फोन बनाने वाली कंपनियों ने पीएलआई के तहत आवेदन किया

नई दिल्ली।

प्रमुख हैंडसेट कंपनियों सैमसंग तथा आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल के लिए अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली इकाइयों ने सरकार की 50,000 करोड़ रुपये की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का लाभ लेने के लिए प्रस्ताव जमा कराया है। इन प्रस्तावों के अनुसार सैमसंग, लावा, डिक्सन तथा आईफोन का अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली इकाइयों ने अगले पांच साल के दौरान 11 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल उपकरणों तथा कलपुर्जों का उत्पादन करने प्रस्ताव किया है। सूत्रों की मानें तो इन कंपनियों ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन का लाभ लेने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के पास प्रस्ताव जमा कराया है। इन प्रस्तावों से करीब 12 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इनमें तीन लाख प्रत्यक्ष तथा नौ लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर होंगे। इस योजना के तहत प्रस्ताव जमा कराने वाली विदेशी कंपनियों में सैमसंग, फॉक्सकॉन होन हेई, राइजिंग स्टार, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन शामिल हैं। फॉक्सकॉन होन हेई, विस्ट्रॉन तथा पेगाट्रॉन अनुबंध पर एप्पल आईफोन का विनिर्माण करती हैं। ताइवन की पेगाट्रॉन भारत में नई निवेशक है। वैश्विक स्तर पर मोबाइल फोन बिक्री कारोबार में एप्पल और सैमसंग का हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है। सूत्रों ने बताया, 'इन प्रस्तावों के तहत अगले पांच साल में 15,000 रुपये से अधिक कीमत के करीब नौ लाख करोड़ रुपये के मोबाइल हैंडसेटों का उत्पादन किया जाएगा। वहीं 15,000 रुपये से कम कीमत के दो लाख करोड़ रुपये के मोबाइल हैंडसेटों का उत्पादन होगा।' सूत्रों ने कहा कि प्रस्तावित उत्पादन क्षमताओं से करीब सात लाख करोड़ रुपये की निर्यात मांग को भी पूरा किया जाएगा। इस योजना के तहत आवेदन करने वाली भारतीय कंपनियों में लावा, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, माइक्रोमैक्ट तथा पैजट इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। योजना के तहत लावा का अगले पांच साल में 800 करोड़ रुपये का निवेश करने का इरादा है।

दूरसंचार सेवा दरें बढ़ानी होगी, 5जी स्पेक्ट्रम की ऊंची लागत पर जतायी चिंता

नयी दिल्ली।

दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि दूरसंचार सेवा दरों (टैरिफ) में बढ़ोतरी तय है और बस सवाल यह है कि ऐसा कब होता है। कंपनी ने कहा कि टिकाउ कारोबार के लिये प्रति उपभोक्ता औसत मासिक राजस्व (एआरपीयू) को अभी बढ़ाकर 200 रुपये और बाद में 300 रुपये किया जाना आवश्यक है। एयरटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल ने पहली तिमाही के परिणाम के बाद शेयर धारकों को संबोधित करते हुए कहा कि 5जी स्पेक्ट्रम के लिये सांकेतिक आरक्षित मूल्य काफी अधिक है, अवहनीय है और उन स्तरों पर कारोबार को समर्थन करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि 5जी पारिस्थितिकी अभी शुरुआती स्तर पर है और इसकी शुरुआत में अभी कई साल का विलंब है। विट्टल ने कहा, ''5जी पर मौलिक मुद्दा यह है कि 100 मेगाहर्ट्ज के लिए 50 हजार करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की लागत किसी भी तरह के व्यवसाय मॉडल के काम करने से परे है। स्पेक्ट्रम की लागत में कमी लाने की जरूरत है और पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''डिवाइस की कीमतें अभी भी 5त्र के लिये अधिक हैं और समय के हिसाब से ये नीचे आती रहेंगी, लेकिन अभी, हम इसे जल्दी गिरते नहीं देखते हैं।'' कंपनी ने कहा कि वह लैब में 5जी समाधान का निर्माण करेगी और साझेदारों के साथ मिलकर अभिनव समाधान लाने के लिये काम करेगी।

चीनी उपकरण और विक्रेताओं के मुद्दे पर विट्टल ने कहा कि एयरटेल कई कंपनियों के साथ काम करती है, जिसमें चीनी और यूरोपीय साझेदार शामिल हैं। कंपनी ऐसा करते समय 'सही वाणिज्यिक मॉडल और 'लागत संरचनाएं' आदि को देखती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सफल स्ट्राइकर होने के लिए 'छठी इंद्री' का होना जरूरी : भूटिया

नयी दिल्ली । महान भारतीय फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने कहा कि सभी स्ट्राइकरों को नियमित रूप से गोल करने के सही मौके तलाशने के लिए 'छठी इंद्री' को विकसित करना होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) टेलीविजन से बात करते हुए भूटिया ने कहा कि स्ट्राइकर तभी सफल हो सकता है जब वह गोल करने के मौके को सही तरीके से परख सके। भारत के लिए 100 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बनने वाले भूटिया ने कहा- यह उस छठी इंद्री के बारे में है। आपको यह पता करने की जरूरत है कि मौका कहा से बन रहा है। दुनिया के सबसे अच्छे स्ट्राइकरों में यह समझदारी हैं। इस 43 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा- आपको स्थितियों को पढ़ने आना चाहिए। जब तक आप अपनी छठी इंद्री विकसित नहीं करते, आप एक सफल स्ट्राइकर नहीं होंगे। भारत के लिए 104 मैचों में 40 गोल करने वाले भूटिया ने कहा- आप 10 मौके में से एक या दो बार ही गोल करने में सफल होते है ऐसे में आपको जो भी मौका मिले उसमें पूरा जोर लगाना होता है।

क्रिकेट

विली और बिलिंग्स के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से इंग्लैंड ने आयरलैंड को पीटा

साउथम्पटन ।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज डेविड विली (30 रन पर पांच विकेट) की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी और सैम बिलिंग्स की नाबाद 67 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी के दम पर विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने आयरलैंड को पहले वनडे में गुरूवार को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड को इस जीत से आईसीसी वर्ल्ड कप सुपर लीग के तहत 10 अंक हासिल हुए।इंग्लैंड ने आयरलैंड को 44.4 ओवर में 172 रन पर समेटने के बाद 27.5ओवर में ही चार विकेट पर 174 रन बनाकर आसान जीत हासिल कर ली। इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच इस वनडे के साथ आईसीसी वर्ल्ड कप सुपर लीग की शुरुआत हो गयी जो 2023 में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफायर है। इंग्लैंड को मैच जीतने से 10 अंक मिले। इस लीग के तहत मैच जीतने वाली टीम को 10 अंक मिलने हैं।इस मुकाबले में इंग्लैंड की जीत के दो हीरो रहे और दोनों ने ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। विली ने 30 रन पर पांच विकेट लेकर जहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया वहीं बिलिंग्स ने 54 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से नाबाद 67 रन की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। बिलिंग्स ने कप्तान इयोन मोर्गन के साथ पांचवें विकेट के लिए 14.1 ओवर में 96 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की। मोर्गन ने 40 गेंदों पर नाबाद 36 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए।छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अपने चार विकेट 78 रन तक गंवा दिए थे। जानी बेयरस्टो दो, जैसन रॉय 24, जेम्स विंस 25 और टॉम बेन्टन 11 रन बनाकर आउट हुए लेकिन इसके बाद बिलिंग्स और मोर्गन की साझेदारी ने इंग्लैंड को आसान जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। मोर्गन ने सिमी सिंह की गेंद पर विजयी छक्का मारा। इंग्लैंड ने साउथम्पटन के इस मैदान में 2016 के बाद से लगातार छठी जीत दर्ज की।इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया और विली ने अपने पहले स्पैल में चार विकेट निकालकर अपने कप्तान के फैसले को सही साबित कर दिया। विली ने 8.4 ओवर में 30 रन पर पांच विकेट लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह पहला मौका है जब विली ने वनडे मैच में पांच विकेट लिए हैं। यह पहला मौका है जब विली ने वनडे मैच में पांच विकेट लिए हैं। विली के कहर से आयरलैंड का एक समय स्कोर सातवें ओवर तक पांच विकेट पर 28 रन हो गया था। कर्टिस कैम्फर ने 118 गेंदों पर चार चौकों की मदद से नाबाद 58 रन बनाकर आयरलैंड को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया। कैम्फर ने एंडी मैकब्राइन के साथ आठवें विकेट के लिए 66 रन जोड़े। मैकब्राइन ने 48 गेंदों पर 40 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया।केविन ओ ब्रायन ने 22 और आखिरी बल्लेबाज क्रैग यंग ने 11 रन का योगदान दिया। विली ने यंग को आउट कर आयरलैंड की पारी 172 रन पर समेट दी। विली के पांच विकेट के अलावा साकिब महमूद ने दो विकेट लिए जबकि आदिल राशिद और टॉम करेन को एक-एक विकेट मिला।

कोरोना के चलते तमिलनाडु प्रीमियर लीग फिर हुआ स्थगित, अब अगले साल मार्च में चर्चा

चेन्नई।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) का पांचवां चरण कोविड-19 महामारी के चलते दूसरी बार स्थगित करना पड़ा और अब टीएनसीए उम्मीद कर रहा है कि टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी या तो इस साल नवंबर में या फिर अगले साल मार्च में की जाए। इस लोकप्रिय टी20 लीग टूर्नामेंट का आयोजन 10 जून से 12 जुलाई तक होना था लेकिन मई में तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने इसे स्थगित कर दिया क्योंकि राज्य में तब कोरोना वायरस मामलों की संख्या काफी ज्यादा थी। टीएनसीए के मानद सचिव आर एस रामासैमी ने विज्ञप्ति में कहा, 'टीएनसीए जुलाई/अगस्त अंत से सितंबर अंत तक की विंडो देख रहा था कि टीएनपीएल टूर्नामेंट के पांचवें चरण को इस संभावित विंडो में खेला जा सकता है। लेकिन तमिलनाडु में मौजूदा कोविड-19 संबंधित मुद्दों को देखते हुए टीएनसीए इस विंडो में टूर्नामेंट की मेजबानी करने की स्थिति में नहीं होगा। इसके अनुसार, 'हम नवंबर 2020 या 2021 में मार्च में इसके आयोजन की संभावना देखेंगे। राज्य के शीर्ष खिलाड़ी जैसे आर अश्विन, दिनेश कार्तिक, विजय शंकर और एम विजय इसमें खेलते हैं। इसमें खेलने वाले वरूण चक्रवर्ती और आर साई किशोर जैसे खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग टीमों द्वारा चुना गया था। तमिलनाडु में अभी तक 2.4 लाख से ज्यादा कोरोना वायरस के मामले आ चुके हैं जबकि राज्य में 3,935 लोगों की मौत हो चुकी है। टीएनसीए जुलाई के अंत और सितंबर में इस प्रतियोगिता को कराना चाहता था लेकिन स्वास्थ्य संकट के बढ़ने से वह टूर्नामेंट की मेजबानी की स्थिति में नहीं है।

स्टीव स्मिथ ने की इस क्रिकेटर की तारीफ, बोले- हर कप्तान की पसंद है यह

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने अपनी टीम के मुख्य आल राउंडर के बारे में कहा कि बेन स्टोक्स हर मुश्किल परिस्थिति में कामयाब होने की इच्छा रखता है इसलिए हर कप्तान उसे अपनी टीम में रखना चाहेगा। लेकिन स्मिथ उम्मीद कर रहे हैं कि इंग्लैंड में आस्ट्रेलिया की सफेद गेंद की श्रृंखला के दौरान स्टोक्स अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करे बल्कि संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की जर्सी के लिए इसे बचाकर रखे। स्मिथ ने कहा- इंग्लैंड की शानदार टीम के खिलाफ कुछ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना शानदार होगा जिसमें राजस्थान रॉयल्स के मेरेकुछ साथी (जोफा आर्चर, बेन स्टोक्स और जोस बटलर) भी शामिल हैं। उन्होंने कहा- उम्मीद करते हैं कि वे ज्यादा रन नहीं बनाए या ज्यादा विकेट नहीं लें और आईपीएल के लिये बचाकर रखें। स्मिथ स्टोक्स की तारीफ करते हुए नहीं थके, जिनका पिछला साल सभी प्रारूपों में शानदार रहा था। उन्होंने कहा- मैंने स्टोक्स को बेहतरीन से बेहतरीन बनते हुए देखा है। उसका विश्व कप बेहतरीन रहा था और हाल में टेस्ट मैचों ने उसने शानदार प्रदर्शन किया। उसने खूबसूरत गेंदबाजी की और कुछ विकेट भी चटकाए। स्मिथ ने कहा- वह ऐसा खिलाड़ी है जो हर चीज में शामिल होना चाहता है, वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या फिर क्षेत्ररक्षण। वह हर जगह सुर्खियों में होना चाहता है। आप अपनी टीम में ऐसे खिलाड़ी चाहते हो क्योंकि वे मुश्किल परिस्थितयों में अच्छा करना चाहते हैं।

ओलंपिक, एशियाई खेलों में पदक जीतना चाहती हूं : जूनियर महिला हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की फारवर्ड खिलाड़ी मुमताज खान ने शनिवार को कहा कि उनका लक्ष्य सीनियर टीम के साथ एशियाई खेलों और ओलंपिक में पदक जीतना है लेकिन वह इसे हासिल करने के लिए एक समय में एक कदम उठा रही हैं। इस 17 साल की खिलाड़ी ने 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में 10 गोल करके भारत को रजत पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इसके अलावा 2016 में लड़कियों के अंडर -18 एशिया कप में कांस्य पदक, 2018 में छह देशों की आमंत्रित टूर्नामेंट में रजत और पिछले साल 'कैंटर फिट्जगेराल्ड अंडर -21 इंटरनेशनल फोर-नेशंस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के मुताबिक मुमताज ने कहा, 'मुझे पता है कि मैंने अब तक जो कुछ भी किया, वो जो मैं अपने करियर में जो हासिल करने चाहती हूं इसकी तुलना में कुछ भी नहीं है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं छोटे-छोटे कदम उठाने के साथ हमेशा सही चीजें करती रहूं। सब्जी बेचने वाले की बेटी मुमताज की यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी रही है, लेकिन लखनऊ की यह खिलाड़ी देश के लिए अच्छा करने को लेकर दृढ़ संकल्प किये है। उन्होंने कहा, 'यह किसी से छुपा नहीं है कि मैंने व्यक्तिगत रूप मुश्किल समय बिताया है। यह मेरे माता-पिता के लिए भी मुश्किल

रहा है, लेकिन मुझे खुशी है कि उन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया और मैं उन्हें खुश देखने का इंतजार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, 'इसके लिए मेरे मन में बहुत स्पष्ट लक्ष्य हैं कि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र और देश के लिए खेलते हुए प्रत्येक मैच में बहुत अच्छा प्रदर्शन करूं। मैं ओलंपिक और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में पदक जीतने में अपनी टीम की मदद करना चाहती हूं। मुमताज ने कहा कि स्कूल दौड़ की एक प्रतियोगिता में उनकी कोच ने उन्हें हॉकी खेलने के लिए चुना। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है 2011 में स्कूल के रेस के दौरान नीलम सिद्दिकी वहां मौजूद थी और उन्होंने मेरे पिता से मुझे हॉकी खेलने देने के लिए कहा था। उस समय मुझे खेल के बारे में ज्यादा पता नहीं था लेकिन जब मैंने इसे देखना और खेलना शुरू किया तो मुझे इसमें मजा आने लगा।

संक्षिप्त समाचार

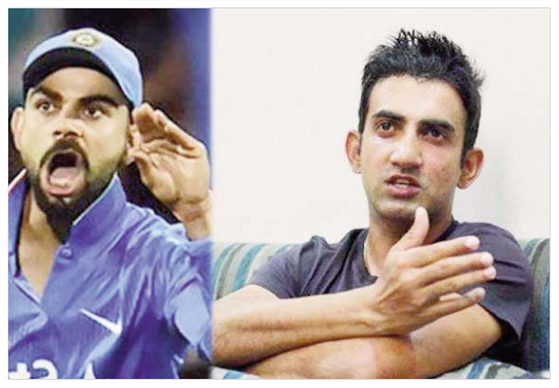

गंभीर ने की कोहली की तारीफ, बोले- पाक के खिलाफ खेली यह पारी थी सर्वश्रेष्ठ

मुंबई । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को अक्सर टीम इंडिया के कप्तानों पर तीखी टिप्पणियां करने के लिए जाना जाता है। लेकिन अभी गंभीर ने भारत के मौजूदा कप्तान विराट कोहली की तारीफ की है। गंभीर का कहना है कि पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में विराट कोहली द्वारा खेली गई 183 रन की पारी तीनों प्रारूपों में भारतीय कप्तान की सबसे शानदार पारी है। ढाका में जीत के लिए 330 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए कोहली ने 148 गेंद की पारी में 22 चौके और एक छक्के की मदद से 183 रन बनाकर भारत को छह विकेट से जीत दिलाई थी। इस मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे गंभीर ने कहा- विराट कोहली ने तीनों प्रारूपों में कई अविश्वसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन यह (183) हर दृष्टिकोण से उनकी सबसे शानदार पारी है। गंभीर ने कहा- हम 330 का पीछा कर रहे थे और भारतीय टीम ने खाता खोले बगैर विकेट गंवा दिया था। उस समय वह इतना अनुभवी भी नहीं था और फिर 330 में से अकेले 183 रन बनाना बेहद ही खास था। उस मैच में पाकिस्तान के पास मोहम्मद हफीज, उमर गुल, एजाज चीमा, सईद अजमल, शाहिद अफरीदी और वहाब रियाज जैसे अनुभवी गेंदबाज थे। कोहली ने पाकिस्तानी आक्रमण की घज्जियां उड़ा दी थी। गंभीर ने कहा- मुझे लगता है कि शायद यह (183) विराट कोहली की सबसे बड़ी पारी में से एक है।

शुभमन की सपोर्ट में उतरे युवराज सिंह, बोले- गिल ने किसी को भी गाली नहीं दी थी

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह ने खुलासा करते हुए कहा है कि युवा क्रिकेटर शुभमन गिल ने रणजी ट्रॉफी के मैच में किसी को भी गाली नहीं दी थी। बता दें, पिछले सीजन में दिल्ली के खिलाफ मैच के दौरान अंपायर के साथ गलत व्यवहार करने के कारण शुभमन गिल अनचाहे वजह से चर्चा में आए थे और उनके ऊपर जुर्माना भी लगाया गया था। दरअसल, युवराज ने खुलासा करते हुए कहा, मैं वहां मैदान पर मौजूद था। उनसे किसी को गाली नहीं दी थी। उसने बस फैसले पर सवाल उठाया था। कभी कभी बल्लेबाज ऐसा करते हैं। वह युवा है और उसमें रन बनाने की भूख है। जब मैंने खेलना शुरू किया था, तब मेरे साथ भी ऐसी घटनाएं होती थी। अगर कोई खिलाड़ी गलती करता है, तो वह आगे चलकर उसे सुधार लेता है। गौर हो कि गिल के क्रिकेट करियर पर नजर डाले तो उन्होंने फर्स्ट क्लास में अबतक 73.55 की औसत से 2,133 रन बनाए हैं जिसमें 7 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं और रणजी ट्रॉफी में उनका बेस्ट स्कोर 268 रन है। वहीं लिस्ट ए क्रिकेट के 57 मैचों में उनका औसत 45.60 का है। इसके अलावा वो आइपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हैं।

कोविड-19 के बीच ट्रेनिंग जारी रख खुश हैं विश्व चैम्पियन पैरा भाला फेंक एथलीट गुर्जर

नयी दिल्ली ।

शीर्ष भारतीय भाला फेंक पैरा एथलीट सुंदर सिंह गुर्जर इस बात से खुश हैं कि कोविड-19 महामारी के बावजूद उनकी ट्रेनिंग में कोई ब्रेक नहीं लगा क्योंकि उन्होंने पिछले चार महीनों से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को अपना घर बना लिया। वह स्टेडियम में लड़कों के होस्टल में रह रहे हैं और जब से 2015 से उन्होंने पैरा एथलेटिक्स शुरू की, तब से यह उनका ट्रेनिंग मैदान रहा है। वह एफ46 भाला फेंक स्पर्धा में 2017 और 2019 में विश्व चैम्पियन रह चुके हैं। गुर्जर ने कहा- लॉकडाउन के बाद से मैं स्टेडियम में रह रहा हूं। मैं घर नहीं लौटा और पिछले चार महीनों से स्टेडियम से बाहर भी नहीं निकला। मैं अकेले ट्रेनिंग कर रहा हूं, मेरा दोस्त (अहमत सिंह गुर्जर) मेरी डाइट और अन्य चीजों में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा- मैं अपने कोच (महावीर प्रसाद सैनी) के भी संपर्क में था, जिनसे शुरू में वीडियो कॉल से बात होती थी और वह स्टेडियम में रोज व्यक्तिगत रूप से मेरी ट्रेनिंग पर निगरानी रखते हैं।

2 गेंदबाजों के मुरीद हुए पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान अजहर अली, बताई खासियत

कराची ।

पाकिस्तान की टीम इन दिनों इंगलैंड दौरे पर हैं। यहां कप्तान अजहर अली ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि शाहीन अफरीदी और नसीम शाह जैसे युवा तेज गेंदबाज के अलावा उनकी टीम में अनुभव और युवा का शानदार मिश्रण है जो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में पाकिस्तान को मजबूती प्रदान करेगा। दोनों देशों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला पांच अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होगी। सभी मैचों को जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खेला जाएगा। अजहर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा आयोजित पोडकास्ट में कहा- नसीम और शाहीन ने हाल ही में टेस्ट श्रृंखला में जिस तरह से गेंदबाजी की है, मैं कप्तान के रूप में बहुत खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं। पैतीस साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि टीम के युवा तेज गेंदबाजों को वहाब रियाज, सोहेल खान, मुहम्मद अब्बास और इमरान खान जैसे अनुभवी पेशेवरों की उपस्थिति से काफी फायदा हो रहा हैं। उन्होंने कहा- मुझे खुशी है कि हमारे तेज आक्रमण में युवा और अनुभव का शानदार मिश्रण है। इसके अलावा टीम में यासिर शाह जैसे सफल स्पिनर भी है। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि खिलाड़ी अपने प्रशिक्षण की शुरुआत में थोड़े ढीले थे लेकिन जुलाई के पहले सप्ताह में पृथकवास से बाहर आने के बाद लय हासिल करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा- कोरोना वायरस के कारण हम काफी समय से लॉकडाउन में रहे और यह हम सभी के लिए एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था। लेकिन हम अब लय पाने में सफल रहे। हमारे गेंदबाज अच्छा कर रहे है और लय में हैं। उन्होंने कहा- कोरोना उन्होंने कहा- कोरोना उन्होंने कहा- कोरोना वायरस के कारण हम काफी समय से लॉकडाउन में रहे और यह हम सभी के लिए एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था। लेकिन हम अब लय पाने में सफल रहे। हमारे गेंदबाज अच्छा कर रहे है और लय में हैं।

शिखर धवन ने शुरू की आउटडोर प्रैक्टिस, नेट्स पर बहाया जमकर पसीना, लगाए चौके- छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगाज जल्द होने वाला है। जहां टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ियों ने अपनी कमर कस ली है। वहीं कुछ खिलाड़ी कोरोना के कहर के बीच में अपनी अभ्यास में जुड़ गए है। ऐसा में टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का एक प्रैक्टिस का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसे फैंस भी पसंद कर रहे है। दरअसल, धवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- तीव्रता के साथ। बल्ले पर गेंद की आवाज से प्यार।... बता दें धवन इस वीडियो में आउटडोर पैक्टिस करते हुए नजर आ रहे है। जहां ग्राउंट में वह गेंदबाजी को जमकर धो रहे है। जिसका वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। हालांकि बात करें उनके दिल्ली कैपिटल्स के इस अनुभवी खिलाड़ी ने आईपीएल के पिछले सीजन में 16 मैचों में 34.73 की औसत और 135.67 के स्ट्राइक रेट से 521 रन बनाए थे। इस दौरान शिखर धवन ने 5 अर्धशतक भी जड़े थे। गौरतलब है कि शिखर धवन का अबतक का क्रिकेट करियर शानदार रहा है। शिखर धवन ने अबतक भारतीय टीम के लिए 34 टेस्ट मैच, 136 वनडे मैच व 61 टी20 मैच खेल चुके हैं। शिखर धवन ने अपने खेले 34 टेस्ट मैचों में 40.61 की औसत से 2315 रन, 136 वनडे मैचों पर 45.14 की औसत से 5688 रन व 61 टी20 मैचों में 28.35 की औसत से 1588 रन बनाए हुए हैं।

मंकीगेट विवाद पर कुंबले ने तोड़ी चुप्पी, बोले- आईसीसी ने हरभजन पर लिया गलत फैसला

नई दिल्ली ।

विवादास्पद सिडनी टेस्ट के बाद 2007-08 के ऑस्ट्रेलिया दौरे से हटना एक 'स्वीकार्य' विकल्प हो सकता था, लेकिन टीम ने ऊलट हालातों में बाकी बचे मैच जीतकर मिसाल पैदा की। उक्त बात भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कही। दरअसल, जनवरी 2008 में खेले गए सिडनी टेस्ट में विवादित 'मंकीगेट' प्रकरण हुआ था, जिसमें ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह को एंड्रयू साइमंड्स के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) द्वारा तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया गया था। भारत ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी और दौरे से बाहर से हटने के बारे में भी चर्चा हुई थी। हरभजन को अंततः न्यूजीलैंड के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जॉन हैनसेन ने मैच फीस का 50 प्रतिशत का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया।आईसीसी ने हरभजन के खिलाफ 'गलत' फैसला लिया कुंबले ने भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन से उनके यू-ट्यूब चैनल 'डीआरएस विद ऐश' पर कहा- एक कप्तान के रूप में आप आमतौर पर मैदान पर निर्णय लेने के लिए तैयार रहते हैं। यहां मुझे कुछ ऐसी चीजों का सामना करना पड़ा, जो मैदान के बाहर की थी और खेल के हित में निर्णय लेना था। देश के लिए 132 मैचों में सबसे ज्यादा 619 टेस्ट विकेट लेने वाले कुंबले ने कहा कि उन्हें लगा था कि आईसीसी ने हरभजन के खिलाफ 'गलत' फैसला लिया था। इस 49 साल के पूर्व कप्तान ने कहा- हमें साफ तौर पर टीम के रूप में एक साथ होना था। उस समय दौरे को बीच में छोड़कर टीम के वापस लौटने की बात हो रही थी। लेकिन ऐसा करने पर लोगों को लगता की भारतीय टीम ने कुछ गलत किया होगा इसलिए लौटकर वापस आ गई। इस दौरे में अंपायरिंग का स्तर भी खराब था। हाल ही में अंपायर स्टीव बकनर ने भी माना ने उनसे इस श्रृंखला में गलती हुई थी। भारत ने पहला टेस्ट 337 जबकि दूसरा टेस्ट 122 रन से गंवाने के बाद पर्थ में खेले गए तीसरे टेस्ट को 72 रन से जीता था। एडीलेड में खेला गया चौथा टेस्ट ड्रा रहा था। कुंबले ने कहा- कप्तान या टीम के तौर पर आप श्रृंखला जीतने जाते हैं। दुर्भाग्य से पहले दो टेस्ट के नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे थे लेकिन बाकी दो मैचों को जीत कर हमारे पास श्रृंखला बराबर करने का मौका था।

एडीलेड में खेला गया चौथा टेस्ट ड्रा रहा था। कुंबले ने कहा- कप्तान या टीम के तौर पर आप श्रृंखला जीतने जाते हैं। दुर्भाग्य से पहले दो टेस्ट के नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे थे लेकिन बाकी दो मैचों को जीत कर हमारे पास श्रृंखला बराबर करने का मौका था। कुंबले ने 14 टेस्ट जिसमें टीम को तीन मैचों में सफलता मिली जबकि छह में हार का सामना करना पड़ा और पांच मैंच ड्रा रहे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिश्तों की रक्षा का पर्व है रक्षाबंधन

रक्षाबंधन के है कई नाम

रक्षाबंधन का दिन भाई और बहन के लिए सबसे खास होता है।राखी पूरे देश में अलग-अलग तरह से मनाई जाती है। मॉरीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में भी इसे मनाया जाता हैं। नेपाल में राखी का त्योहार सावन की पूर्णिमा को मनाया जाता है। लेकिन यहां इसे राखी न कहकर जनेऊ पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस दिन घर के बड़े लोग अपने से छोटे लोगों के हाथों में एक पवित्र धागा बांधते हैं। राखी के अवसर पर यहां एक खास तरह का सूप पीया जाता है, जिसे कवाती कहा जाता है। देश के पूर्वी हिस्से उड़ीसा में राखी को गमहा पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घर के गायों और बैलों को सजाते हैं और एक खास तरह की मिठाई जिसे मीठा और पीठा कहा जाता है, बनाई जाती हैं। राखी के दिन उड़ीसा में मीठा और पीठा को अपने दोस्तों और रिश्तेदारों में बांटा जाता है। यही नहीं, इस दिन राधा-कृष्ण की प्रतिमा को झूले पर बैठाकर झूलन याता मनायी जाती है।महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में राखी को नराली पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन नारियल को समुद्र देवता को भेंट किया जाता है। नराली शब्द मराठी से आया है और नराली को नारियल कहा जाता है। समुद्र देवता को नारियल चढ़ाने के कारण ही इसे नराली पूर्णिमा कहा जाता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं इलाके में रक्षाबंधन को जानोपुन्यु कहा जाता है। इस दिन लोग अपने जनेऊ को बदलते हैं। जनेऊ का मतलब एक पवित्र धागा है, जो यहां के लोग पहनते हैं।मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में इसे कजरी पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। यह किसानों और महिलाओं के लिए एक खास दिन होता है। गुजरात के कुछ हिस्सों में रक्षाबंधन को पवित्रोपन के नाम से मनाया जाता है। इस दिन गुजरात में भगवान शिव की पूजा की जाती है।पश्चिम बंगाल में रक्षाबंधन को झूलन पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है, साथ ही महिलाएं अपने भाइयों के अच्छे जीवन के लिए उनकी कलाइयों पर राखी बांधती है। राखी को स्कूल, कॉलेज और मुहल्ले के लोग भी मनाते हैं ताकि भविष्य में अच्छे रिश्ते बने रहें। तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, गोवा, कोंकण और उड़ीसा में भी लोग राखी को बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन लोग एक तरह के पवित्र धागे को बदलते हैं और तरह-तरह के पवित्र पकवान बनाते और खाते हैं।

रक्षाबंधन

रक्षा बंधन पर्व पर, बहना आई गाँव।
हाथों में मेहँदी रची, और महावर पाँव।
और महावर पाँव, चूड़ियों सजी कलाई।
कुमकुम अक्षत दीप, मिठाई, राखी लाई।
बाँधी रेशम डोर, लिया भाई का चुंबन।
बहना आई गाँव, मनाने रक्षा बंधन।

सावन की है पूर्णिमा, राखी का त्यौहार।
हर धागे से झाँकता, भ्रात बहन का प्यार।
भ्रात बहन का प्यार, बाँध बहना खुश होती,
रेशम की यह डोर, कीमती सबसे मोती।
आती मीठी याद, पुनः बीते बचपन की,
राखी का त्यौहार, पूर्णिमा है सावन की।

लहँगा चुन्नी ओढ़कर बहना है तैयार
प्यारे भाई के लिए, लाई है उपहार।
लाई है उपहार, संग रेशम का धागा।
मिला बहन का प्यार, भाग्य भाई का जागा।
फूलों सी मुस्कान, लिए नन्ही सी मुन्नी,
मना रही है पर्व, पहनकर लहँगा चुन्नी।

रीत निभाना प्रीत की, भैया मेरे चाँद।
बहन करे शुभ कामना, रेशम डोरी बाँध।
रेशम डोरी बाँध, लगाए माथे टीका,
बिन राखी त्यौहार, सकल सावन है फीका।
कहे बहन हे भ्रात, मुझे तुम भूल न जाना,
सावन में हर साल, बुलाकर रीत निभाना।

कल्पना रामानी

यह तिथि दो त्योहारों का शुभ योग है । पहला - रक्षाबंधन एवं दूसरा - श्रावणी कर्म । रक्षा-बंधन दो शब्दों से मिल कर बना है- रक्षा और बंधन। रक्षा का अर्थ है बचाना, सावधानी, सुरक्षा और बंधन का अर्थ है जिससे बांधा जाए। अर्थात् सुरक्षा के भाव से किसी से जुडना रक्षाबंधन है। संस्कृत शब्द रक्षिका का अपभ्रंश शब्द राखी है । इसका अर्थ होता है रक्षा करना। हमें सुरक्षा मिलती है- प्रज्ञा से, प्रेम से, पवित्रता से। इन पर्वों पर हम वेद शिक्षा आरंभ करते हैं, यज्ञोपवीत पहनते हैं और रक्षासूत्र बंधवाते हैं। श्रावण पूर्णिमा को मनाए जाने वाला यह त्योहार भारतीय लोक जीवन में भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक है। किंतु इस दिन मात्र बहन ही भाइयों को राखी बांधती है, ऐसा आवश्यक नहीं है, बल्कि त्योहार मनाने के लिए धर्म के प्रति आस्था होना आवश्यक है । इसलिए इस पर्व में दूसरों की रक्षा के धर्म-भाव को विशेष महत्व दिया गया है। इस प्रकार यह दिन हमारी ज्ञान प्राप्ति की इच्छा और विचारों की पवित्रता के भाव को व्यक्त करता है।प्राचीनकाल से ही सनातन धर्म में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर रक्षाबंधन व्रत करने की परंपरा रही है। इस पर्व पर ब्राह्मण से रक्षासूत्र बंधवाया जाता है। इसका वैदिक स्वरुप यही है । रक्षासूत्र व्यक्ति के मन में निर्भयता के भाव का संचार करता है। पुराणों में भी लिखा है कि- धारण किया हुआ रक्षासूत्र संपूर्ण रोगों तथा अशुभ कार्यों का नाश करता है। इसे वर्ष में एक बार धारण करने से वर्षभर मनुष्य रक्षित हो जाता है।अब यह भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व बन गया है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है एवं अपनी जीवन रक्षा का दायित्व उस पर सौंपती है। साथ ही भाई की लंबी उम्र की कामना करती है।

पुराण अनुसार रक्षाबंधन का जन्म दानवता के पंजे में फंसे देवत्व और मनुष्यत्व को उबारने के लिए हुआ । शास्त्रों के अनुसार रक्षासूत्र का यह बंधन बीते समय में जाने-अनजाने में हुए बुरे कर्म के दोषों से मुक्त होने एवं उनको पुनः न दोहराने का मनोवैज्ञानिक बंधन है । आज भी यह सूत्र प्रेम का अटूट बंधन है। बहने जब अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती है, भाव होता है कि जब उस पर कोई संकट आएगा तो भाई उसकी मदद जरूर करेगा। यह पर्व समाज को दृष्टि देता है कि स्त्री की ओर बुरी नजर एवं मानसिकता न रखकर पवित्र और अच्छे भाव रखें । यह पुरुषों में महिलाओं के प्रति जिम्मेदारी का भाव ही पैदा नहीं करता वरन् महिलाओं के लिए समाज में भयमुक्त जीवन जीने का वातावरण तैयार करता है । इस तरह रक्षाबंधन का पर्व भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है। इस पर्व को इतिहास में मात्र हिंदू धर्म में ही नहीं अन्य धर्मों में भी मनाने के प्रमाण है।रक्षाबंधन को विज्ञान की दृष्टि से विचार करें तो यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास में मनाया जाता है । यह मास वर्षा ऋतु का होता है, अधिक वर्षा एवं सूर्य के प्रकाश के अभाव के कारण अनेक भिन्न प्रकार के जीव-जंतु पैदा होते हैं, जो मनुष्य को रोगी बना देते हैं । इसलिए मनुष्य को अपनी रक्षा की भी आवश्यता होती है। अतः धर्म से जोड़कर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा बनाई गई। यह मनुष्य के मन में यह विश्वास पैदा करता है कि वेद मंत्रों के साथ बांधा गया यह सूत्र उसकी सभी रोगों, कष्टों से रक्षा करेगा एवं उसे किसी प्रकार का भय नहीं रहेगा। इस विश्वास एवं भावना से बीमारी की दशा में भी मनुष्य में साहस बना रहता है एवं स्वास्थ्य भी अच्छा होता है। रक्षासूत्र में विज्ञान और मनोविज्ञान दोनों का योग है।

कथा : भविष्यपुराण की एक कथा है कि एक बार देवता और दानवों में बारह वर्षों तक युद्ध हुआ, पर देवता विजयी नहीं हुए। तब इंद्र हार के भय से दुखी होकर देवगुरु बृहस्पति के पास गए। गुरु बृहस्पति ने कहा - युद्ध रोक देना चाहिए । तब उनकी बात सुनकर इंद्र की पत्नी महारानी शची ने कहा कि कल श्रावण शुक्ल पूर्णिमा है, मैं रक्षासूत्र तैयार करूंगी। जिसके प्रभाव से इनकी रक्षा होगी और यह विजयी होंगे । इंद्राणी द्वारा व्रत कर तैयार किए गए रक्षासूत्र को इंद्र ने स्वस्तिवाचन पूर्वक ब्राह्मण से बंधवाया। जिससे इन्द्र के साथ समस्त देवताओं की दानवों पर विजय हुई ।

विधि- इस दिन भद्रा हो तो श्रावणी एवं रक्षासूत्र नहीं बांधा जाता । प्रात स्नान कर देवता, पितर और ऋषियों का तर्पण करें। दोपहर के बाद ऊनी, सूती या रेशमी पीले कपड़े में सरसों, सुवर्ण, केसर, चंदन, अक्षत और दुर्वा रख कर बांध लें। फिर गोबर से लीपें स्थान पर कलश स्थापित करें। कलश पर रक्षासूत्र रख कर विधिवत पूजन करें। स्वास्तिवाचन के साथ ब्राह्मण से रक्षासूत्र दाहिने हाथ में बंधवाएं। शास्त्र अनुसार इस बनाए गए रक्षासूत्र को राजा, मंत्री, वैश्य, शिष्यादि, पुत्र-पौत्रादि, यजमान की कलाई में यह मंत्र बोलकर बांधे -

येन बद्धो बली राजा राजा दानवेन्द्रो महाबलः।
तेनत्वा मनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल ।

पौराणिक कथा

भगवान विष्णु ने वामन अवतार में राजा बलि से तीन पग जमीन मांगी। बलि दानी था। वह किसी को खाली हाथ नहीं जाने देता था। इसलिए उसने जब भगवान वामन से तीन पग जमीन लेने को कहा। वामन रूप में भगवान ने एक पग में स्वर्ग और दूसरे पग में पृथ्वी को नाप लिया। तीसरा पैर कहां रखे, इस बात को लेकर बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। अगर वह अपना वचन नहीं निभाता तो अधर्म होता। आखिरकार उसने अपना सिर भगवान के सामने कर दिया और कहा तीसरा पग आप मेरे सिर पर रख दीजिए। वामन भगवान ने वैसा ही किया। पैर रखते ही वह सुतल लोक में पहुंच गया। बलि की उदारता से भगवान प्रसन्न हुए। उन्होंने उसे सुतल लोक का राज्य प्रदान किया। बलि ने वर मांगा कि वे उसके द्वारपाल बनकर रहें। तब भगवान को उसे यह वर भी प्रदान करना पड़ा। पर इससे लक्ष्मीजी संकट में आ गईं। वे चिंता में पड़ गईं कि अगर स्वामी सुतल लोक में द्वारपाल बन कर रहेंगे तब बैकुंठ लोक का क्या होगा? संयोग से इस उधेड़बुन के दौरान देवर्षि नारद उनसे मिलने आए। लक्ष्मीजी ने उन्हें अपनी समस्या बताई। नारदजी ने उपाय बताया। कहा, बलि की कलाई पर रक्षासूत्र बांध दो और उसे अपना भाई बना लो। लक्ष्मीजी ने ऐसा ही किया। उन्होंने बलि की कलाई पर राखी (रक्षासूत्र) बांधी। बलि ने लक्ष्मीजी से वर मांगने को कहा। तब उन्होंने विष्णु को मांग लिया। रक्षासूत्र की बदौलन उन्हें स्वामी पुनः मिल गए।

श्रावणी उपाकर्म

उपाकर्म का अर्थ है उद्घाटन करना या प्रारंभ करना। उपाकरण का अर्थ है आरंभ करने के लिए निमंत्रण या निकट लाना।

वैदिक काल में यह वेदों के अध्ययन के लिए विद्यार्थियों का गुरु के पास एकत्रित होने का काल था। इसके आयोजन काल के बारे में धर्मगंथों में लिखा गया है कि - जब वनस्पतियां उत्पन्न होती हैं, श्रावण मास के श्रवण व चंद्र के मिलन (पूर्णिमा) या हस्त नक्षत्र में श्रावण पंचमी को उपाकर्म होता है। इस अध्ययन सत्र का समापन, उत्सर्जन या उत्सर्ग कहलाता था। यह सत्र माघ शुक्ल प्रतिपदा या पौष पूर्णिमा तक चलता था।

विधि: श्रावणी उपाकर्म के तीन पक्ष है- प्रायश्चित्त संकल्प, संस्कार और स्वाध्याय। सर्वप्रथम होता है- प्रायश्चित्त रूप में हेमाद्रि स्नान संकल्प। गुरु के सान्निध्य में ब्रह्मचारी गोदुग्ध, दही, घृत, गोबर और गोमूत्र तथा पवित्र कुशा से स्नानकर वर्षभर में जाने-अनजाने में हुए पापकर्मों का प्रायश्चित्त कर जीवन को सकारात्मकता से भरते हैं। स्नान के बाद ऋषि पूजन, सूर्योपस्थान एवं यज्ञोपवीत पूजन तथा नवीन यज्ञोपवीत धारण करते हैं।यज्ञोपवीत या जनेऊ आत्म संयम का संस्कार है। आज के दिन जिनका यज्ञोपवित संस्कार हो चुका होता है, वह पुराना यज्ञोपवित उतारकर नया धारण करते हैं और पुराने यज्ञोपवित का पूजन भी करते हैं । इस संस्कार से व्यक्ति का दूसरा जन्म हुआ माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि जो व्यक्ति आत्म संयमी है, वही संस्कार से दूसरा जन्म पाता है और द्विज कहलाता है। उपाकर्म का तीसरा पक्ष स्वाध्याय का है। इसकी शुरुआत सावित्री, ब्रह्मा, श्रद्धा, मेधा, प्रज्ञा, स्मृति, सदसस्पति, अनुमति, छंद और ऋषि को घृत की आहुति से होती है। जौ के आटे में दही मिलाकर ऋग्वेद के मंत्रों से आहुतियां दी जाती हैं। इस यज्ञ के बाद वेद-वेदांग का अध्ययन आरंभ होता है। इस सत्र का अवकाश समापन से होता है। इस प्रकार वैदिक परंपरा में वैदिक शिक्षा साढ़े पांच या साढ़े छह मास तक चलती है। वर्तमान में श्रावणी पूर्णिमा के दिन ही उपाकर्म और उत्सर्ग दोनों विधान कर दिए जाते हैं। प्रतीक रूप में किया जाने वाला यह विधान हमें स्वाध्याय और सुसंस्कारों के विकास के लिए प्रेरित करता है।

श्रावणी पर्व वैदिक काल से शरीर, मन और इन्द्रियों की पवित्रता का पुण्य पर्व माना जाता है। इस पर्व पर की जाने वाली सभी क्रियाओं का यह मूल भाव है कि बीते समय में मनुष्य से हुए ज्ञात-अज्ञात बुरे कर्म का प्रायश्चित करना और भविष्य में अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देना।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में हो रहे तमाशे को बंद करवाएं मोदीः गहलोत

जैसलमेर।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा उनकी सरकार को गिराने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त का बड़ा खेल खेल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राजस्थान में चल रहे इस तमाशे को बंद करवाने की अपील की। गहलोत ने यहां संवाददाताओं कहा, दुर्भाग्य से इस बार भाजपा का प्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त का खेल बहुत बड़ा है। वह कर्नाटक एवं मध्य प्रदेश का प्रयोग यहां कर रही है। पूरा गृह मंत्रालय इस काम में लग चुका है। उन्होंने कहा, .. हमें किसी की परवाह नहीं। हमें लोकतंत्र की परवाह है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई किसी से नहीं है ... (हमारी) विचारधारा, नीतियों एवं कार्यक्रमों की लड़ाई है ... लड़ाई यह नहीं होती कि आप चुनी हुई सरकार को गिरा दें। हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, हमारी लड़ाई लोकतंत्र को बचाने की है। उन्होंने कहा, मोदी को प्रधानमंत्री के रूप दूसरी बार जनता ने मौका दिया जो बड़ी बात है। उन्हें चाहिए कि राजस्थान में जो कुछ तमाशा हो रहा है उसे बंद करवाएं। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा सरकार के खिलाफ ट्वीट किए जाने के बारे में गहलोत ने कहा कि सिंह तो अपनी झेंप मिटा रहे हैं जबकि आडियो टेप मामले में उन्हें नैतिकता के आधार पर खुद ही इस्तीफा दे देना चाहिए। उनके नेतृत्व से नाराज होकर अलग होने वाले सचिन पायलट एवं 18 अन्य कांग्रेस विधायकों की वापसी के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला पार्टी आलाकमान को करना है और अगर आलाकमान उन्हें माफ करता है तो को करना है और अगर आलाकमान उन्हें माफ करता है तो वे भी बागियों को गले लगा लेंगे। यह फैसला पार्टी आलाकमान को करना है और अगर आलाकमान उन्हें माफ करता है तो वे भी बागियों को गले लगा लेंगे।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में चल रहे सियासी घमासान में विधायकों को तोडने की आशंका के बीच कांग्रेस एवं उसके समर्थक विधायकों को शुक्रवार को राजधानी जयपुर से दूर सीमावर्ती शहर जैसलमेर स्थानांतरित कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

बकरीद पर पुलिस कर्मियों की लापरवाही से महिला डीसीपी हुई नाराज, एक साथ 36 को कर दिया निलंबित

नेशनल डेस्क। ईद-उल-अजहा के मौके पर दिल्ली पुलिस के 36 कर्मियों को समय से ड्यूटी पर नहीं पहुंचने के कारण निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की महिला डीसीपी ने उत्तर पश्चिमी जिले में तैनात पुलिसकर्मियों पर की। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पश्चिम) विजयंत आर्य ने कहा कि ईद-उल-अजहा के मौके पर पुलिस अधिकारियों को सुबह पांच बजे रिपोर्ट करना था लेकिन साढ़े छह बजे तक वह ड्यूटी पर नहीं आए जिसके नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली की डीसीपी विजयन्ता आर्या का गुस्सा फूटा ने उन्हें निलंबित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कर्मियों को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि दिल्ली में कोरोना वायरस महामारी के बीच एहतियात बरतते हुए शनिवार को ईद-उल-अजहा का पर्व मनाया गया। इस मौके पर लोगों ने मस्जिदों में नमाज पढ़ी और पशुओं की कुर्बानी दी। फजर की नमाज पढ़ने के लिए पुरानी दिल्ली में जामा मस्जिद और फतेहपुरी मस्जिद में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए।

विशाखापत्तनम में दर्दनाक हादसा, हिंदुस्तान शिपयार्ड में क्रेन पलटने से 11 लोगों की मौके पर मौत

नेशनल डेस्क। आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक क्रेन के गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई व कई घायल हो गए। शिपयार्ड में अचानक क्रेन गिरने से चारों तरफ हड़कंप मच गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिखाई दे रहा है कि किस तरह एक भारी भरकम लोगों के ऊपर जा गिरी। इस हादसे में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई व एक घायल हो गया, जिसने भी ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहां के डीसीपी सुरेश बाबू ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि बताया कि हिंदुस्तान शिपयार्ड में क्रेन के गिरने की वजह से इतना बड़ा हादसा हुआ है। बचाव और राहत अभियान के तहत मलबे में फंसे कुछ लोगों को बचाया गया है।

सरहद पर ईद का जश्न, सेना ने कुछ यूं मनाई बकरीद

पुंछ। उस देश की सरहद को कोई छू नहीं सकता, जिस देश की सरहद की निगेबां हैं आंखें। जी हां। भारतीय सेना की हर आंख उस समय सतर्क और मुस्तैद होती है जब पूरा देश सो रहा होता है या फिर त्यौहारों का जश्न मना रहता होता। सेना देश की रक्षा का जिम्मा संभालने के साथ ही सामाजिक सरोकार पूरा करने में भी अहम भूमिका अदा करती है। बकरीद के मौके पर पुंछ के बालाकोट सेक्टर में सेना द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जवानों ने स्थानीय लोगों को उपहार बांटे और खाने का स्टाल भी लगाया। इस मौके पर सोशल डिस्टेसिंग का पूरा पालन किया गया। वहीं स्थानीय लोगों ने सेना के इस प्रयास की काफी सराहना भी की।

कोविड19 से जिन्दगी की जंग हार गये नौकरशाह जिलानी , उमर और ले गवर्नर ने जताया अफसोस

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर समाज कल्याण विभाग के विशेष सचिव तसदुक जिलानी की कोविड 19 संक्रमण से मौत हो गई। उनकी मौत पर यूटी के ले गवर्नर मुर्मु और पूर्व सीएम उमर ने गहरा दुख प्रकट किया है। जिलानी बेमिना के जेवीसी अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल के डाक्टर रियाज ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जिलानी में कोरोना संक्रमण पाये गये थे। उन्होंने बताया कि अधिकारी 14 जुलाई से अस्पताल में भर्ती थे और आखिरकार कोरोना से जंग हार गये। डा रियाज के अनुसार जिलानी मधुमेह के रोगी भी थे। वह 18 दिन कोरोना से लड़ाई लड़ते रहे और शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। ले गवर्नर ने उनकी मौत पर दुख प्रकट करते हुये उनकी आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की है। वहीं उमर अब्दुल्ला ने भी टवीट कर जिलानी की आत्माशांति के लिए दुआ की।

त्राल में मिला लाइव ग्रेनेड, सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंच किया डिफयूज

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के त्राल में सुरक्षाबलों ने शनिवार को एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। इलाके में लाइव ग्रेनेड मिलने से सनसनी फैल गई पर सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंच कर उसे अपने कब्जे में लिया और बाद में डिफयूज भी कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्रेनेड को त्राल पुलिस ने डिटेक्ट किया था और फौरन इसकी जानकारी बम निरोधक दस्ते को दी। पुलिस के अनुसार बिना किसी नुकसान के ग्रेनेड को नष्ट कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला प्रशासन ने पिछले एक वर्ष में 2292 कनाल सरकारी भूमि भूमाफिया से करवाई मुक्त

साम्बा । जिला प्रशासन साम्बा ने सरकारी भूमि हड़पने की कुख्यात गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जिले में विभिन्न अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए हैं और पिछले एक साल में करोड़ों रूपए की कीमत वाली 2292 कनाल से अधिक सरकारी भूमि को भूमाफिया से मुक्त करवाया गया है। इसके साथी ही सरकारी भूमि कब्जाने वाले दो अपराधियों के खिलाफ पीएसए भी लगाया गया है। राजस्व विभाग की उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए आज जिला मजिस्ट्रेट रोहित खजूरिया ने बताया कि जिला साम्बा के राजस्व अधिकारियों ने जिले में पिछले एक वर्ष में ही 16 से अधिक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए हैं, जिसमें 2292 कनाल से अधिक कीमती सरकारी भूमि को फिर से प्राप्त किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि जिले में सरकारी जमीन हड़पने की कुख्यात गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल दो कुख्यात अपराधियों, चैन सिंह निवासी बीरपुर व हरबंस सिंह निवासी विजयपुर के खिलाफ पब्लिक सेफ्टी एक्ट, 1978 के तहत कार्रवाई करते हुए पीएसए लगा कर जेल भेजा गया है। डीसी खजूरिया ने बताया कि पटली में 200 कनाल की अनधिकृत कॉलोनी की जमीन मुक्त करवाई गई वहीं बड़ी-ब्राह्मणा में बलोल ब्रिज के पास चारदीवारी को तोडने के साथ ही साम्बा के बस स्टैंड में अनधिकृत अतिक्रमण को हटाया गया।

दिग्विजय सिंह जब बोलते हैं उल्टा ही बोलते हैं- नरोत्तम मिश्रा

भोपाल।

मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय सिंह द्वारा राम मंदिर शिलान्यास के मुहूर्त पर उठाए सवालों पर निशाना साधा है। मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह जब बोलते हैं उल्टा ही बोलते हैं लेकिन इसी बहाने सही कांग्रेस ने कम से कम राम का नाम तो लिया। वहीं गृहमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी वजह से ही राम मंदिर निर्माण लेट हुआ है। दरअसल, कांग्रेस नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राममंदिर निर्माण के 5 अगस्त के मुहूर्त पर सवाल उठाए हैं। दिग्विजय सिंह का कहना है कि राजीव गांधी भी चाहते थे कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बने और राम लला वहां विराजें। हमारी आस्था के केंद्र भगवान राम ही हैं, लेकिन 5 अगस्त को कोई मुहूर्त नहीं है। ये सीधे- सीधे धार्मिक भावनाओं और मान्यताओं से खिलवाड़ है। इसी ट्वीट पर नरोत्तम मिश्रा ने प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। वहीं कोरोना के चलते बढ़ रही बेरोज़गारी पर कहा, प्रवासी मजदूरों को रोज़गार देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत 13 लाख 10 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है। सभी को स्किल्स के हिसाब से काम मिल रहा है। वहीं कोरोना संक्रमण की रिपोर्ट दबाने के विपक्ष के आरोप पर कहा बीमारी को कैसे दबाया जा सकता है। किल कोरोना अभियान पार्ट 2 में 14 दिन सभी राजनैतिक दल पर प्रतिबंध, कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं होंगे। वहीं उन्होंने राज्य में पेट्रोल डीजल पर टैक्स कम करने की बात परआरोप लगाते हुए कहा कि कमलनाथ सरकार ने टैक्स बढ़ाया था।

इसके साथ ही कोरोना के खिलाफ जारी जंग पर कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष में विधायक, मंत्री, अपनी सैलरी कोरोना से लड़ाई के लिए दे रहे हैं, कांग्रेस का काम वो ही जानें।

दिग्विजय ने जताई राम में आस्था, लेकिन मुहूर्त पर सवाल बरकरार

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राममंदिर निर्माण का समर्थन किया है और राम में आस्था दिखाई है लेकिन साथ ही साथ राम मंदिर के शिलान्यास की तारीख को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी भी चाहते थे कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बने और राम लला वहां विराजें। हमारी आस्था के केंद्र भगवान राम ही हैं, लेकिन 5 अगस्त को कोई मुहूर्त नहीं है। दिग्विजय सिंह ने कहा की इस देश में 90व से भी ज्यादा हिंदू ऐसे होंगे, जो मुहूर्त, ग्रह दशा, ज्योतिष, चौघड़िया आदि धार्मिक विज्ञान को मानते हैं। मैं तटस्थ हूं इस बात पर कि 5 अगस्त को शिलान्यास का कोई मुहूर्त नहीं है। ये सीधे- सीधे धार्मिक भावनाओं और मान्यताओं से खिलवाड़ है। आपको बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को पूर्व सीएम कमलनाथ ने राम मंदिर निर्माण का स्वागत करते हुए एक वीडियो जारी किया था और कहा था कि देशवासियों को बहुत दिनों से मंदिर के निर्माण की आकांक्षा और इच्छा थी। राम मंदिर का निर्माण हर भारतवासी की सहमति से हो रहा है, ये सिर्फ़ भारत में ही संभव है।

कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे प्रशांत भूषण और अरुण शौरी

नेशनल डेस्क। समाजसेवी प्रशांत भूषण और पूर्व मंत्री व पत्रकार अरुण शौरी ने सुप्रीम कोर्ट में कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट एक्ट की धारा 2(सी)(आई) को चुनौती दी है। उन्होंने याचिका दायर कर इस धारा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन बताया है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि शीर्ष अदालत अवमानना अधिनियम 1971 के कुछ प्रावधानों को रद्द कर दे। याचिका में तर्क दिया गया है कि लागू उप-धारा असंवैधानिक है क्योंकि यह संविधान के प्रस्तावना मूल्यों और बुनियादी विशेषताओं के साथ असंगत है। यह अनुच्छेद 19 (1) (ए) का उल्लंघन करता है। बता दें कि न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने 22 जुलाई को भूषण को उनके द्वारा न्यायपालिका के खिलाफ किये गए कथित ट्वीट पर उनके विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का नोटिस दिया था। पीठ ने कहा कि उनके बयान से न्याय के प्रशासन का प्रथम दृष्टया अपयश हुआ। कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट एक्ट, 1971 के अनुसार, अदालत की अवमानना या तो नागरिक अवमानना या आपराधिक अवमानना हो सकती है। नागरिक अवमानना का अर्थ है किसी भी निर्णय, न्यायालय के लिए दिए गए किसी भी निर्णय, निर्देश, आदेश, रिट या अदालत की अन्य प्रक्रिया का उल्लंघन या अवज्ञा।

प्रदूषण मामला : उच्चतम न्यायालय ने राज्यों से पराली जलाने से रोकने के प्रबंधों के बारे में पूछा

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों से पराली जलाने से रोकने के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों के बारे में पूछा है। पराली जलाना इन राज्यों में प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत है। शीर्ष अदालत ने राज्यों से पिछले साल की पराली जलाए जाने की घटनाओं, उसके स्थानों और कितने किसान इसके लिए जिम्मेदार हैं, इस बारे में भी सूचित करने के लिए कहा है ताकि उन इलाकों के लिए पहले से ही विशेष प्रबंध किए जा सकें। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अगुवाई वाली एक पीठ ने कहा, पराली जलाए जाने के संबंध में, हम अगली तारीख को डिजिटल बैठक के जरिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के मुख्य सचिवों से सुनना चाहेंगे कि पराली जलाने से रोकने के लिए उन्होंने क्या इंतजाम किए हैं क्योंकि वह समय नजदीक आ रहा है जब इसे जलाया जाना शुरू होगा। पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी भी शामिल हैं। पीठ ने कहा,च्इस बात को सामने रखें कि पराली जलाने के संबंध में पिछले साल ऐसे कितने मामले थे और कितने किसान जिम्मेदार थे और हलफनामे में यह भी बताया जाए कि किन-किन स्थानों पर यह जलाई गई क्योंकि इस साल उचित योजना के साथ पहले से ही इन इलाकों में विशेष प्रबंध करने होंगे।ज्ज् शीर्ष अदालत ने प्रदूषण के मामले पर सुनवाई के दौरान आदेश पारित किया। इस मामले में वह पराली जलाने समेत विभिन्न पहलुओं पर गौर कर रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि एएफसी इंडिया लिमिटेड ने खेतों में ही पराली को समाप्त करने वाली नयी प्रौद्योगिकी विकसित है और संबंधित राज्यों को इस पहलु पर अपनी प्रतिक्रिया दायर करने के साथ ही उनक कदमों के बारे में बताना चाहिए जो वे इसे जलाने से रोकने के लिए उठाएंगे। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई 10 अगस्त को तय की है।

सुशांत मामले में उद्धव ठाकरे पर बरसी कंगना रनौत, बोली- मूवी माफिया का सीएम हमसे मांग रहा सबूत

नेशनल डेस्क।

सुशांत सुसाइड केस में लगातार बेबाकी से बोलने वाली कंगना रनौत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपने निशाने पर ले लिया है। उन्होंने ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए कहा के बॉलीवुड माफिया के चहेते मुख्यमंत्री को हमसे सबूत चाहिए। दरअसल ठाकरे ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच करने में मुंबई पुलिस की दक्षता पर सवाल उठाने की कोशिशों की निंदा करते हुए कहा कि राज्य पुलिस मामले की जांच करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मैं सभी सुशांत सिंह राजपूत के समर्थकों को बताना चाहता हूं कि मुंबई पुलिस पर भरोसा करें, अगर कोई जानकारी हैं तो पुलिस को दें। इस पर कंगना ने प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने ट्वीट कर लिखा कि दुनिया के सबसे अच्छे मुख्यमंत्री सबूत मांग रहे हैं तो अब यह जनता की जिम्मेदारी बनती है कि सबूत लाये लेकिन मुंबई पुलिस की नहीं जिन्होंने न तो क्राइम सीन सील किया न ही बालों के सैंपल या उंगलियों के निशाने इकठ्ठा किये, लेकिन लेकिन मूवी माफिया के सर्वश्रेष्ठ सीएम चाहते हैं कि हम उसे दे। कंगना ने आगे लिखा कि सुशांत के परिवार और मित्र समीता ने पुष्टि की है कि वह (सुशांत) फिल्म इंडस्ट्री को छोड़ना चाहते थे क्योंकि उनका वहां दम घुटता था और वो भी भयभीत थे।

वो कहते रहते थे कि वो लोग उसे मार देंगे।

मायावती ने देशवासियों को दी बकरीद की बधाई, कहा-गरीब पड़ोसी को कतई न भूले

लखनऊ।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने देशवासियों को ईद-अल-अजहा (बकरीद) की बधाई दी है। मायावती ने कहा कि कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते त्योहार को घर पर ही सादगी से मनाएं। ईद-अल-अजहा की सभी देशवासियों को दिली मुबारक और शुभकामनायें। मायावती ने ट्वीट कर कहा, ''देश में सभी भाई-बहनों को ईद-अल-अज़हा (बकरीद) की दिली मुबारकबाद व शुभकामनायें। कोरोना के बढ़ते

प्रकोप के कारण यह त्योहार भी सादगी से घर पर ही मनायें ताकि आप सभी लोग कोरोना महामारी से सुरक्षित रहें तथा इस मौके पर गरीबों व जरूरतमन्दों की मदद करना न भूलें।'' अमरोहा से बसपा सांसद कुंवर दानिश अली ने भी सभी देशवासियों को ईद-अल-अज़हा की बधाई दी है। दानिश अली ने ट्वीट कर कहा, आपको और आपके परिवार को स्वस्थ्य, धनवान और सुख समृद्ध के लिए ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं।''

प्रियंका ने योगी को लिखा पत्र, कहा-यूपी में बेलगाम हो चुके हैं अपराध और कोरोना, ध्यान दीजिए

लखनऊ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि 'राज्य में अपराध और कोरोना दोनों बेलगाम हो चुके हैं। यह जानकारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक ललन कुमार ने शनिवार को दी। प्रियंका ने योगी को पत्र में लिखा है, ''पिछले दिनों मैंने एक पत्र के माध्यम से प्रदेश में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश की थी। दिन दहाड़े आम लोगों के साथ घट रही आपराधिक घटनाओं के चलते प्रदेश के आमजनों के मन में एक डर का भाव बैठ गया है। प्रदेश में अपराध और कोरोना वायरस दोनों बेलगाम हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव ने पत्र में लिखा कि उन्होंने लोगों को कहते सुना है कि ''उत्तर प्रदेश में अपहरण एक उद्योग बन चुका है और हत्या एक रोजनामचा। लूट एवं बलात्कार की घटनाओं से प्रदेश दहल उठा है। यह सब सिर्फ एक चीज की तरफ इशारा करता है कि किसी न किसी कारण से अपराधी बेखौफ हैं और शासन-प्रशासन का इकबाल खत्म हो गया है। उन्होंने संभल जिले में हाल ही में हुई एक आपराधिक घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री को लिखा है, ''पुनः एक घटना के माध्यम से पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था की लचर स्थिति की तरफ मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ। संभल जिले के चंदौसी में रहने वाले रामौतार शर्मा इफ्को किसान सेवा केंद्र से सेवानिवृत्त थे और गाँव बिचेटा चौराहे पर खाद की दुकान चलाते थे। किसान सेवा केंद्र से सेवानिवृत्त थे और गाँव बिचेटा चौराहे पर खाद की दुकान चलाते थे। शर्मा और उनके बेटे पर गत 30 जुलाई की शाम को दुकान से वापस जाते वक्त बदमाशों ने गोली चलाई व उनके पैसे लूट लिए। इस घटना में शर्मा की मृत्यु हो गई और उनके बेटे बाल-बाल बचे। इस घटना से पूरे क्षेत्र में रोष व्याप्त है । प्रियंका गांधी ने पत्र में मांग की है कि जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़कर शर्मा के परिवार को न्याय दिलाया जाए। साथ ही शर्मा के परिवार के लिए आर्थिक मदद की भी प्रदेश सरकार घोषणा करे। पत्र में उन्होंने लिखा है कि अपराध की बढ़ती घटनाओं से उत्तर प्रदेश में भय का माहौल है। आम जन, महिलाएँ, बच्चे, व्यापारी इत्यादि डर के साये में हैं। उन्होंने पत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कानून व्यवस्था को ठीक करने और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गुजारिश की है।

इन तीन राज्यों में हो रही कोरोना की सबसे ज्यादा मौतों ने पूरे देश डराया

नई दिल्ली। देश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 22892 लोगों की मौत हुई है जो देशभर में इस संक्रमण से हुई मौतों का करीब 62.2 प्रतिशत हैं। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण से अब तक 36,511 लोगों की मौत हुई है। कोरोना वायरस से सबसे बुरी तरह प्रभावित महाराष्ट्र में इस वायरस के सर्वाधिक 14,994 जबकि दिल्ली में 3963 और तमिलनाडु में 3935 लोगों की मौत हुई है हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के रिकॉर्ड 57,117 नये मामले दर्ज किये गए जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 16,95,988 हो गयी। कोरोना के प्रकोप से देश में अब तक 36511 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 10,94,374 लोग इससे निजात पा चुके हैं। आपको बतां दे कि तमिलनाडु में सक्रिय मामले बढ़कर 57,968 हो गये हैं तथा 3935 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 1,83,956 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान देश भर में सर्वाधिक 6,468 सक्रिय मामले बढ़े हैं जिससे इनकी कुल संख्या 75,720 हो गयी और 1,349 लोगों की मौत हुई है। यहां 63,864 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 34,968 सक्रिय मामले हैं तथा इस महामारी से 1630 लोगों की मौत हुई है जबकि 48,863 मरीज ठीक हुए हैं। देश का पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल संक्रमण के मामले में छठे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में कोरोना वायरस के 20,233 सक्रिय मामले हैं तथा 1,581 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 48,374 लोग स्वस्थ हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 16,796 सक्रिय मामले हैं और 519 लोगों की मौत हो चुकी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक नेता ने खोली पोलः चीन की मदद से कराची पर कब्जे की फिराक में आईएसआई और पाक सेना, इमरान दे रहे साथ

लंदन।

ब्रिटेन में निर्वासित जीवन बिता रहे मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के पाकिस्तानी नेता अल्ताफ हुसैन ने चीन और पाकिस्तान की नई नापाक योजना का भंडाफोड़ किया है। पाकिस्तानी नेता अल्ताफ हुसैन ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि चीन का दखल पाकिस्तान में इतना अधिक बढ़ चुका है कि पाक सेना और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस एसेंसी (आईएसआई) ड्रेगन की मदद से कराची को संघीय क्षेत्र घोषित करने की योजना बना रही है। हुसैन ने कहा कि चीन के साथ पाकिस्तान सेना और आईएसआई ने कराची में उसके संसाधनों को हासिल करने के लिए इसको एक संघीय क्षेत्र घोषित करने के की नापाक योजना पर काम भी शुरू कर दिया है। प्रधान मंत्री इमरान खान द्वारा कराची में बारिश के बाद सेना से सफाई में अधिकारियों की सहायता करने के के बयान के बाद हुसैन ने कहा, शहर को साफ करने के काम की आड़ में, कराची को सेना को सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इमरान सरकार के संघीय मंत्री कराची को इस्लामाबाद के नियंत्रण में लेने के लिए सेना के नापाक प्लान के पक्ष में खुले बयान दे रहे हैं। स्तरूनेता ने कहा, कराची को अधिक स्वायत्तता, अधिकार और शक्ति देने के बजाय, इमरान खान की अगुवाई वाली सरकार इस महासंघ के संघीय नियंत्रण में आने की कोशिश कर रही है, जो कि निंदनीय है। अल्ताफ हुसैन ने सेना और पाकिस्तान सरकार की इस साजिश को नाकाम करने के लिए लोगों को आगे आने का आह्वान किया।

दक्षिण चीन सागर को लेकर ट्विटर पर भिड़े चीन और ऑस्ट्रेलिया के राजदूत

सिडनी।

दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन और अमेरिका के बीच घमासान मचा हुआ है। इस मामले में भारत, जापान, ब्रिटेन और ताइवान अमेरिका के साथ खड़े हैं। अमेरिका-चीन की इस लड़ाई में भारत में चीन और ऑस्ट्रेलिया के राजदूत शुक्रवार को ट्विटर पर भिड़ गए। दरअसल, एक दिन पहले दक्षिण चीन सागर पर ड्रैगन की गतिविधियों को अस्थिरता का कारण बताने वाले ऑस्ट्रेलियाई ट्वीट पर भारत में चीनी राजदूत सुन वीडॉन्ग ने ट्वीट कर कहा कि भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने दक्षिण चीन सागर पर तथ्यों की उपेक्षा करते हुए यह टिप्पणी की है। चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता व समुद्री अधिकार नियम के मुताबिक हैं। यह स्पष्ट है कि इलाके में कौन शांति व सुरक्षा के लिए काम कर रहा है और कौन अस्थिर करने और उकसाने में लगा है। इसके जवाब में भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल ने ट्वीट कर कहा कि भारत में चीन के

राजदूत आपको बहुत शुक्रिया। मैं उम्मीद करता हूं कि तब आप 2016 में दक्षिण चीन सागर पर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले का पालन करेंगे। कोर्ट के फैसले का पालन करेंगे। उन कार्रवाइयों से भी बचेंगे जिनसे एकतरफा यथास्थिति बदली जाती है।

लीबिया में सैन्य अदालत ने पत्रकार को सुनाई 15 साल जेल की सजा

काहिरा।

पूर्वी लीबिया में एक सैन्य अदालत ने आतंकवाद से संबंधित दोषों पर एक स्थानीय फोटो पत्रकार को 15 साल की जेल की सजा सुनाई जिसकी मानवाधिकार समूहों ने शुक्रवार को आलोचना की। प्रेस की आजादी के लिए काम करने वाले वैश्विक समूह 'कमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स ने बताया कि इस्माइल बोजरीबा अल-ज्वे (39) को उसके गृह नगर अज्दाबिया में एक स्थानीय कार्यक्रम कवर करते समय सुरक्षा एजेंटों ने पकड़ लिया था। उस पर अल-नबा के लिए काम करने का आरोप है जो तुर्की से प्रसारित होने वाला निजी लीबियाई समाचार चैनल है जिसे पूर्वी लीबियाई अधिकारी इस्लामी ''आतंकवाद से जुड़ा हुआ मानते हैं। लीबिया के ज्यादातर पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों की तरह अज्दाबिया भी सैन्य कमांडर खलीफा हफ्तार के नियंत्रण में है जिन्होंने देश से इस्लामी मिलिशिया के खात्मे का आह्वान किया है। हफ्तार की सेना के प्रवक्ता ने पत्रकार की सजा पर टिप्पणी नहीं की। वहीं लीबिया के तीन प्रेस संगठनों ने शुक्रवार को एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि उन्हें मई में गोपनीय तरीके से चले मुकदमे के बारे में अभी पता चला जिसमें एक सैन्य अदालत ने अल-ज्वे को आतंकवाद का समर्थन करने वाले एक टीवी चैनल के लिए काम करने के जुर्म में 15 साल की जेल की सजा सुनाई।

भारत, चीन और रूस अपनी वायु गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखते : ट्रंप

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत, चीन और रूस अपनी वायु गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखते जबकि अमेरिका रखता है। उन्होंने पेरिस समझौते को ''एकतरफा, ऊर्जा बर्बाद'' करने वाला बताते हुए कहा कि वह इस समझौते से अलग हो गए जो अमेरिका को एक ''गैर प्रतिस्पर्धी राष्ट्र'' बना देता। ट्रंप ने ऊर्जा पर अपने संबोधन में बुधवार को कहा कि इन दंडात्मक पाबंदियों को लागू करके और पाबंदियों से इतर ''वाशिंगटन के कट्टर-वामपंथी, सनकी डेमोक्रेट्स'' असंख्य अमेरिकी नौकरियों, कारखानों, उद्योगों को चीन तथा प्रदूषण फैला रहे अन्य देशों को भेज देते। उन्होंने कहा, ''वे चाहते हैं कि हम अपने वायु प्रदूषण पर ध्यान रखें लेकिन चीन इसका ध्यान नहीं रखता। सच कहूं तो भारत अपने वायु प्रदूषण पर ध्यान नहीं रखता। रूस अपने वायु प्रदूषण पर ध्यान नहीं रखता। लेकिन हम रखते हैं। जब तक मैं राष्ट्रपति रहूंगा तब तक हम हमेशा अमेरिका को पहले रखेंगे। यह बहुत ही सीधी-सी बात है।''राष्ट्रपति ने कहा, ''वर्षों तक हमने दूसरे देशों को पहले रखा और अब हम अमेरिका को पहले रखेंगे। जैसा कि हमने अपने देश में शहरों में देखा कि कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स न केवल टेक्सास के तेल उद्योग को बर्बाद करना चाहते हैं बल्कि वे हमारे देश को बर्बाद करना चाहते हैं।''उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स किसी भी रूप में देश को प्यार नहीं करते। उन्होंने कहा कि वह एकतरफा, ऊर्जा बर्बाद करने वाले पेरिस जलवायु समझौते से अलग हो गए थे। उन्होंने कहा कि यह एक आपदा थी और अमेरिका को इसके लिए।

संक्षिप्त समाचार

अलास्का में 2 विमानों की टक्कर में सवार सभी लोगों की मौत

लॉस एंजलिस। अमेरिका के उत्तरी राज्य अलास्का में दो छोटे विमानों की टक्कर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग ने बताया कि सोल्दोतना में शुक्रवार रात 2 विमानों की टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई। विभाग ने एक बयान में कहा कि एक विमान में एक ही व्यक्ति था जबकि दूसरे विमान में 6 लोग सवार थे। 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी जबकि एक घायल व्यक्ति ने अस्पताल ले जाए जाने के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में 67 वर्षीय क्षेत्रीय कानूनविद् गैरी नोप भी शामिल हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 150,000 के पार

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 1,50,000 के पार चली गई है। विश्व में इस वायरस के कारण सबसे अधिक लोगों की जान अमेरिका में ही गई है। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार अमेरिका में बुधवार तक कोरोना वायरस की वजह से 150,676 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, देश में 4,426,000 मामले हैं और वायरस से यह दुनिया का सबसे ज्यादा प्रभावित देश है। अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से पहली मौत 29 फरवरी को हुई थी। 23 अप्रैल तक यानी 54 दिन बाद 50,000 लोगों की मौत हुई और इसके 34 दिन यानी 27 मई तक 100,000 लोगों की मौत हो गई। वहीं, इसके 63 दिन बाद 50,000 और लोगों की मौत हुई। हार्वर्ड ग्लोबल हेल्थ इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉक्टर आशीष झा ने कहा, '' मेरा मानना है कि एक देश के रूप में हम इस पर नियंत्रण नहीं कर सके, हम मौतों को रोकने की प्राथमिकता तय नहीं कर सके, जो कि अफसोसजनक है।'' झा ने सीएनएन से कहा, '' इसलिए, मेरे लिए यह निराशाजनक है, दुखद है। अगले 150,000 मौतों को कैसे रोका जाए इसके रास्ते तलाशने के लिए संकल्प लेना होगा।''

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से खतरा बहुत वास्तविक है : पोम्पिओ

वाशिंगटन । अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से खतरे को बिल्कुल वास्तविक बताते हुए बुधवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने बीजिंग के साथ संबंधों में फिर से संतुलित करने के लिए ''सही कदम'' उठाने शुरू कर दिए हैं जिससे अमेरिकियों की आजादी की रक्षा हो सके। पोम्पिओ ने उम्मीद जताई कि चीन यह फैसला लेगा कि व्यापार सौदे के पहले चरण के तहत उनकी प्रतिबद्धताओं का पालन किया जाए। उन्होंने कहा, ''हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या वे अपने दायित्वों को पूरा करते हैं।''पोम्पिओ ने एक साक्षात्कार में कहा, ''अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य से देखे तो राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने 2015 में चुनाव प्रचार अभियान के समय चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से जिस खतरे की पहचान की थी वह वास्तविक है। इसलिए हमने इस संबंध को फिर से संतुलित करने के लिए सभी सही कदम उठाने शुरू कर दिए हैं ताकि अमेरिकी लोगों की आजादी की रक्षा हो सके।''उन्होंने कहा, ''हमने व्यापार संबंधों में गैर पारस्परिक रवैया देखा जहां चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने बौद्धिक संपदा की चोरी की और फिर वापस हमें बेच दी, राज्य प्रायोजित उद्योगों को ठगा, उस स्तर तक जाकर साइबर चोरी की जहां तक आज कोई देश पहुंच भी नहीं सकता।''एक सवाल के जवाब में पोम्पिओ ने कहा कि कम्युनिस्ट सरकार की अहम मौकों पर सच न बताने की प्रवृत्ति रही है।

गांधी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासतों के प्रचार संबंधी विधेयक अमेरिकी कांग्रेस समिति में पारित

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस की एक प्रमुख समिति ने महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासतों का प्रचार करने के लिए नागरिक अधिकारों के पैरोकार जॉन लेविस द्वारा लिखा एक विधेयक बुधवार को पारित कर दिया। भारतीय-अमेरिकी सांसद अमी बेरा द्वारा अनुमोदित 'गांधी-किंग एक्सचेंज एक्ट' को सदन की विदेश मामलों की समिति ने पारित किया। इस विधेयक में महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर के काम और विरासतों का अध्ययन करने के लिए अमेरिका तथा भारत के बीच आदान-प्रदान की पहल करने का प्रावधान है। बेरा ने कहा, ''जॉन लेविस न केवल अमेरिका बल्कि दुनियाभर में नागरिक अधिकारों के नायक थे। वह सभी के लिए मानवाधिकार, समानता, न्याय तथा लोकतंत्र के लिए लड़े। गांधी और डॉ. किंग की तरह कांग्रेस सदस्य लेविस ने अहिंसा के अपने कामों के जरिए दुनिया को आकार दिया और उनकी जीवन गाथा पूरे इतिहास में गूंजेगी।'' इस विधेयक से अमेरिका के विदेश विभाग को भारत सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों भारत सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों के शोधार्थियों के लिए वार्षिक शैक्षिक मंच स्थापित करने का अधिकार मिल जाएगा। यह शैक्षिक मंच मोहनदास करमचंद गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासतों पर केंद्रित होगा।

इस कंपनी ने बना डाली तंबाकू से कोरोना वैक्सीन! इंसानी परीक्षण की लगाई अर्जी....

इंटरनेशनल डेस्क। दुनिया भर में कोरोना को रोकने के लिया वैक्सीन बनाने की होड़ लगी है। अब तक दुनिया में 24 वैक्सीन बनाई जा रही है जिनमें से केवल 10त्न पर विज्ञानिक भरोसा कर पा रहे हैं। लेकिन इस बीच ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको नाम की कंपनी की सब्सडियरी कंपनी केंटकी बायोप्रोसेसिंग ने तंबाकू से वैक्सीन बनाने का दावा पेश किया है। अब कंपनी ने कहा कि वह जल्द ही इसका इंसानी परीक्षण यानी ह्यूमन ट्रायल करने जा रही है। लंदन में स्थित लकी स्ट्राइक सिगरेट बनाने वाली इस कंपनी का दावा है कि वह तंबाकू की पत्तियों से निकाले गए प्रोटीन से वैक्सीन तैयार कर चुकी है। लकी स्ट्राइक सिगरेट के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर किंग्सले व्हीटन ने कहा कि कंपनी अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से ह्यूमन ट्रायल की अनुमति की अर्जी डाल चुकी है। जो इसे किसी भी वक्त मिल सकती है। व्हीटन ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि हमें इंसानी परीक्षण के लिए अनुमति मिल जाएगी। ताकि हम लोगों को कोरोना वायरस महामारी से बचा सकें। हमारी वैक्सीन ने प्री-क्लीनिकल ट्रायल में कोविड-19 के खिलाफ अच्छा रिस्पॉन्स दिखाया है। कंपनी का दावा है कि हम जिस तरीके से वैक्सीन बना रहे हैं वो अलग है।

ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी 600 डॉलर प्रति सप्ताह के पूरक बेरोजगारी भत्ता पर विपक्षियों पर नरम पड़े

वाशिंगटन।

व्हाइट हाउस और रिपब्लिकन पार्टी के नेता 600 डॉलर प्रति सप्ताह के पूरक बेरोजगारी भत्ता पर विपक्षियों पर नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। इस योजना ने अर्थव्यवस्था और परिवारों के बजट को संभाला है, लेकिन यह योजना शुक्रवार को समाप्त हो गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरक बेरोजगारी भत्ता आगे बढ़ाना चाहते हैं। कोविड-19 राहत विधेयक पर बातचीत चल रही है और इसमें बेरोजगारी बीमा एक अहम घटक है। कैपिटल हिल्स में बृहस्पतिवार को बैठक बेनतीजा रहने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं ने ट्रंप प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को बैठक करने की घोषणा की। दोनों पक्षों ने शुक्रवार सुबह मीडिया के सामने अपना-अपना पक्ष रखा। व्हाइट हाउस के प्रमुख मार्क मीडोज ने तत्काल ही संक्षिप्त नोटिस पर पत्रकारों से बात की, तो वहीं हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन बुलाया। मीडोज ने डेमोक्रेट्स पर बातचीत से इनकार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें पूरक बेरोजगारी भत्ता को विस्तारित करने की कोशिश तेज करने का निर्देश दिया है, लेकिन डेमोक्रेट्स इस पर राजनीति करना चाह रहे हैं। एक शीर्ष डेमोक्रेट नेता ने कहा कि व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को 600 डॉलर साप्ताहिक बेरोजगारी भत्ता को एक सप्ताह बढ़ाने का सुझाव दिया था, लेकिन हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी ने इसे खारिज कर दिया। उनका कहना था कि इसे एक अधिक व्यापक विधेयक के रूप में लाया जाना चाहिए, जो महामारी के वक्त राज्य और स्थानीय सरकारों को सहायता प्रदान करे,गरीबों को सहायता दे और स्कूलों और कॉलेजों को धन मुहैया कराए। हालांकि, इस दिशा में कोई निर्णय नहीं होने पर बेरोजारी भत्ता शुक्रवार को समाप्त हो गया पेलोसी ने कहा,'' स्पष्ट है कि वे स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं और अल्प अवधि के लिए विस्तार तभी सही है, जब दोंनो पक्ष किसी समझौते के निकट हों।'' ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में कहा, हम बेरोजगारी भत्ता का अस्थायी विस्तार चाहते हैं।

कोरोना को लेकर डब्ल्यूएचओ ने 3 दिन में 3 बयानों से फैलाई सनसनी, अब सामने आया सच

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी फैलने को लेकर वैज्ञानिकों द्वारा नित नए दावे किए जा रहे हैं। पूरी दुनिया के लोगों की नजरें कोरोना से संबंधित हर खबर पर टिकी रहती हैं। इस बीच विश्व स्वास्थय संगठन द्वारा हैरान करने वाला दावा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें महामारी विशेषज्ञ डॉ. मारिया वेन ने कहा ने कहा था, दुनिया में कोरोना मामले बढ़ने की वजह एसिम्प्टोमैटिक यानि बिना लक्षण वाले मरीज नहीं हैं । कोरोना तकनीकी प्रमुख डा. मारिया वान केरखोव इस बयान वाले वीडियो को यूट्यूब 50,000 से ज्यादा बार देखा जा चुका है । के इस बयान के बाद पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों के अलावा लोगों में भी सनसनी फैल गई थी । लेकिन फैक्ट चैक करने पर इस वीडियो का सच सामने आ गया। वायरल क्लिप 9 जून को द्वारा आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग का हिस्सा है। पूरी ब्रीफिंग देखने पर पता चला कि ने अपने इस बयान पर स्पष्टीकरण दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 24 घंटे के अंदर अपने उस बयान पर सफाई दी जिसमें उसने कहा था कि बिना लक्षण वाले मरीज से कोरोना वायरस नहीं फैलता। ऐसे मामले दुर्लभ हैं। दुनियाभर में वैज्ञानिकों ने इस बात पर सवाल उठाए तो की महामारी विशेषज्ञ डॉ. मारिया वेन ने सफाई देते हुए कहा, यह एक गलतफहमी थी। 8 जून को की महामारी विशेषज्ञ डॉ. मारिया वेन ने कहा, एसिम्प्टोमैटिक मरीजों से भी संक्रमण फैल सकता है, लेकिन दुनिया में जिस तरह मामले बढ़ रहे हैं उसकी वजह ये मरीज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि खासकर युवाओं और दूसरे स्वस्थ लोगों में इस संक्रमण के लक्षण नजर नहीं आते या बहुत हल्के होते हैं। अभी हमारा फोकस केवल लक्षण वाले मरीजों पर है। 9 जून को डॉ. मारिया वेन ने कहा, मैंने बेहद दुर्लभ शब्द का इस्तेमाल किया, वह एक गलतफहमी थी। अभी हमारे पास इसका कोई जवाब नहीं है। मैं उस समय प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवालों का जवाब दे रही थी। मैं वह बताने की कोशिश कर रही थी जो समझ पा रही थी। मैंने ऐसा हालिया सामने आई रिसर्च के आधार पर बोला था। 10 जून को के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अधानोम ने पूरे मामले पर सफाई देते हुए कहा, अभी इस पर और रिसर्च की जाने की जरूरत है। कोरोना का वायरस नया है। संगठन इससे हर समय कुछ न कुछ सीख रहा है। वायरस से जुड़ी जटिल चीजों को समझना आसान नहीं है लेकिन यह हमारी ड्यूटी है। हम हमेशा बेहतर कर सकते हैं। डॉ. एंथनी फौसीः अमेरिका के जाने माने संक्रमण रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फौसी ने इस मामले में कहा कि डब्ल्यूएचओ गलत था। वह अपने बयान से पलटा क्योंकि उसके बाद अपनी बात को साबित करने का कोई प्रमाण या मामले नहीं थे। डॉ. एंथनी के मुताबिक, हमारे पास प्रमाण हैं कि कोरोना के कुल मरीजों में 25 से 45 फीसदी ऐसे हैं जिनमें लक्षण नहीं दिखते हैं। ये स्वस्थ लोगों को संक्रमित कर सकते हैं।

जर्मनी से 6,400 सैनिकों को वापस लाएगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका जर्मनी से अपने करीब 6,400 सैनिकों को वापस लाएगा और करीब 5,600 सैनिकों को यूरोप के अन्य देशों में भेजेगा। अमेरिकी रक्षा नेताओं ने पेंटागन की एक योजना के एक बारे में विस्तार से बताते हुए बुधवार को यह जानकारी दी। इस योजना पर अरबों डॉलर का खर्च आएगा और इसे पूरा होने में कई साल लगेंगे। यह फैसला ट्रंप की जर्मनी से सैनिकों को वापस बुलाने की इच्छा को देखते हुए लिया गया है। बड़ी संख्या में सैनिक इटली जाएंगे और कुछ जर्मनी से बेल्जियम में अमेरिकी यूरोपीय कमान मुख्यालय और विशेष अभियान कमान यूरोप जाएंगे। इस योजना का भविष्य अभी अनिश्चित है क्योंकि यह कांग्रेस के समर्थन और फंडिंग पर निर्भर करता है तथा कई सदस्यों ने इस पर विरोध जताया है। सांसदों ने सैनिकों की संख्या में कटौती की निंदा की है। हालांकि रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने बुधवार को इस योजना का बचाव करते हुए कहा कि वैसे तो यह फैसला ट्रंप के आदेश के बाद लिया गया है लेकिन यह रूस को रोकने, यूरोपीय सहयोगियों को पुनः आश्वस्त करने और सैनिकों को काला सागर तथा बाल्टिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के वृहद सामरिक लक्ष्यों को भी पूरा करता है। एस्पर ने कहा, ''हम सैनिकों को मध्य यूरोप, जर्मनी से हटा रहे हैं जहां वे शीत युद्ध के बाद से थे। इससे अमेरिकी सैनिक रूस के नजदीक पूर्व में होंगे जहां हमारे नए सहयोगी हैं।'' बहरहाल ट्रंप ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, ''हम सैनिकों की संख्या कम कर रहे हैं क्योंकि वे (जर्मनी) अपने बिल नहीं चुका रहे हैं। यह बहुत सीधी-सी बात है। उन पर उन्होंने कहा कि अगर जर्मनी अपने बिल देना शुरू कर दें तो वे सैनिकों को वहां से वापस बुलाने के फैसले पर फिर से विचार कर सकते हैं।

सीमा चौकी पर पाक रेंजर्स की गोलीबारी में 15 अफगान लोगों की मौत, 80 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर बलूचिस्तान में स्थित चमन सीमा चौकी पर पाकिस्तानी रेंजर्स की गोलीबारी में अफगानिस्तान के 15 लोगों की मौत हो गई जबकि 80 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। सीमा पर तनाव बढ़ने के कारण अफगानिस्तान ने अपनी आर्मी और एयरफोर्स को भी हाई अलर्ट पर कर दिया है। चमन सीमा चौकी कोरोना वायरस महामारी के चलते बंद है लेकिन बकरीद को लेकर बुधवार को इसे खोला गया था ताकि दोनों तरफ के लोग ईद मनाने के लिए अपने मूल स्थानों पर जा पाएं। बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में लोग फ्रेंडशिप गेट पर धरने पर बैठ गये और सीमा चौकी को खोलने की मांग करने लगे। फ्रंटियर कोर के कर्मियों ने उनसे कहा कि जब तक प्रदर्शनकारी इस जगह से नहीं चले जाते, गेट नहीं खोला जाएगा। इस बात पर प्रदर्शनकारी हिंसक हो गये और वे फ्रेंडशिप गेट पर फ्रंटियर कोर और अन्य सरकारी एजेंसियों के कार्यालयों पर हमला करने लगे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। इस कार्रवाई में 15 अफगान नागरिकों की मौत हो गई जबकि 80 लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान की रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी फौज उसके इलाके में रॉकेट हमले कर रही है। अगर इस कार्रवाई को रोका नहीं जाता है तो अफगान फोर्स जवाबी कार्रवाई करेगी। वहीं, अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के गवर्नर हयातुल्लाह हयात ने कहा कि पाकिस्तानी गोलीबारी की चपेट में कई रिहाइशी इलाके आए हैं। उधर, पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि सीमा पर पैदा हुए हालात को लेकर अफगानिस्तान सरकार से बातचीत जारी है और इसके जल्द नतीजे निकलने की संभावना है। बता दें कि, अफगानिस्तान कई बार पाकिस्तान के ऊपर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा चुका है। इसी कारण दोनों देशों के बीच रिश्ते भी सामान्य नहीं हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का रविवार को 64वां जन्म दिवस

रूपाणी अपना यह जन्मदिन भी जनहित के कार्यों को समर्पित करेंगे

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी रविवार, 2 अगस्त को 64वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने 'सीएम' यानी कॉमन मैन के तौर पर सभी के हृदय में एक अनूठी छवि बनाई है। वे जनहित के कार्यों के जरिए और आपदा के वक्त जनता के साथ खड़े रहकर जनसामान्य की रोजी-रोटी की फिक्र करने वाले एक संवेदनशील व्यक्ति के रूप में जनमानस में लोकप्रिय हैं। विजय रूपाणी अपना जन्मदिन इसी तरह जनहित और जनता से जुड़े कार्यों की संवेदना के साथ तथा विपदा की घड़ी में लोगों के साथ खड़े रहकर मनाते आए हैं। कुछ बरस पहले जब उत्तर गुजरात के बनासकांठा जिले में बाढ़ और बारिश के प्रकोप से तबाही का मंजर था, तब भी मुख्यमंत्री ने अपना जन्मदिन बाढ़ पीड़ितों के बीच उनके राहत और बचाव कार्यों में लगातार 5 दिनों तक बनासकांठा में रहकर सेवा कार्यों में मनाया था।

रूपाणी कल यानी रविवार को अपने 64वें जन्मदिवस के अवसर पर भी सूरत में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण और उपचार की समीक्षा करने और डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल के तौर पर कार्यरत सूरत की स्टेम सेल एवं किडनी हॉस्पिटल में उपचाराधीन कोरोना पीड़ित मरीजों की कुशलक्षेम पूछने दोपहर को सूरत जाएंगे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री रविवार सुबह साढ़े दस बजे गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 71वें वन महोत्सव का राजकोट में शुभारंभ कराकर हरियाले गुजरात की संकल्पना में पूरे राज्य के नागरिकों को जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कोरोना की विभीषिका के चलते आर्थिक रूप से सर्वाधिक प्रभावित रोज कमाने-खाने वाले छोटा धंधा-रोजगार करने वाले कारीगरों का जीवन फिर से पटरी पर लाने और आर्थिक सहारा देने को आत्मनिर्भर गुजरात सहायता पैकेज के तहत 1 लाख रुपए का ऋण महज 2 फीसदी ब्याज पर देने की संवेदना दर्शाई है।

रूपाणी इस तरह का छोटा धंधा-व्यवसाय करने वाले लोगों को राजकोट नागरिक सहकारी बैंक की ओर से दी जाने वाली 100 करोड़ रुपए की ऋण सहायता के चेक का वर्चुअल वितरण भी अपने जन्मदिन पर गांधीनगर से सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए करेंगे। मुख्यमंत्री अपना 64वां जन्मदिन पूर्ण रूप से जनहित के कार्यों, आम नागरिक की संवेदना और कोरोना महामारी की सूरत में स्थिति और संक्रमितों के उपचार तथा कोरोना संक्रमण के नियंत्रण को लेकर सूरत में उच्चस्तरीय समीक्षा दौरे के जरिए जन कल्याण कार्यों के साथ मनाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ सूरत दौरे में उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, मुख्य सचिव अनिल मुकीम और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन भी शामिल होंगे।

हार्दिक ने लगाया राज्य सरकार पर मनरेगा में करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल और वडगाम के निर्दलीय विधायक हार्दिक पटेल ने राज्य में मनरेगा में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप सरकार पर लगाया है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में काम नहीं करने वाले लोगों के बैंक में खाते खुल गए और एटीएम व जोबकार्ड बनाकर टीडीओ के हस्ताक्षर से फर्जी जोबकार्ड धारकों को भुगतान भी कर दिया गया है।

इकलौते बनासकांठा में 50 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचारका आरोप पुलिस द्वारा लगाया गया है।

हार्दिक पटेल ने कहा कि कोरोना काल में देशभर के लोग

बेरोजगार हो चुके हैं और इससे गुजरात भी अछूता नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के 350 गांव में मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार चल रहा है।

बनासकांठा जिले के बालिन्द्रा गांव में 8 से 10 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया गया है।

जबकि राज्यभर में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है और इसके निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिएद्य निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि कोरोना संकट में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गरीब परिवारों की मदद करे ।

लेकिन मदद के बजाए भ्रष्टाचार किया जा रहा हैद्य गुजरात में मनरेगा योजना में बहुत बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है।

जिसमें सरपंच और टीडीओ समेत अन्य लोग इसमें शामिल हैं। भ्रष्टाचारके इस पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच कराई जानी चाहिए।

एमएस यूनिवर्सिटी का सर्वर हेक करने की कोशिश ऑनलाइन परीक्षा स्थगित की गई

क्रांति समय सुरत

वडोदरा,शहर की एमएस यूनिवर्सिटी का सर्वर हेक किए जाने की कोशिश की गई। हेकर्स ने यूनिवर्सिटी के सर्वर को काफी नुकसान पहुंचाया है।

जिसे देखते हुए 5 अगस्त से ली जानेवाली परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। जानकारी के मुताबिक हेकर्स द्वारा आज वडोदरा की एमएस यूनिवर्सिटी का सर्वर हेक करने का प्रयास किया। हेकर्स ने यूनिवर्सिटी के सर्वर को भारी नुकसान पहुंचाया है।

इस घटना को देखते हुए यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने आगामी 5 अगस्त से ली जाने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। 5 अगस्त से 17000 विद्यार्थियों की परीक्षाएं ऑनलाइन ली जानी थीं।

यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगां। यूनिवर्सिटी के जनरल सेक्रेटरी राकेश पंजाबी ने हेकर्सके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की मांग की है।

दूसरी ओर यूनिवर्सिटी के बाहर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने परीक्षा स्थगित किए जाने का विरोध किया और यूनिवर्सिटी प्रबंधकों का पुतला फूंका। साथ ही सवाल किया कि साइबर अटैक की जानकारी विद्यार्थियों को क्यों नहीं दी गई? एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि 70 प्रतिशत विद्यार्थियोंको अब तक आईडी पासवर्ड नहीं मिला।

मोरारी बापू के ऐलान के बाद राम मंदिर के लिए मिला 16.80 करोड़ का दान

क्रांति समय सुरत

भावनगर के महुवा में चल रही मोरारी बापू की ऑनलाइन कथा में श्रद्धालुओं द्वारा अब तक 16.80 करोड़ का दान राम मंदिर निर्माण के लिए किया गया हैं। दरअसल भावनगर जिले की महुवा तहसील के तलगाजरडा में मोरारी बापू की ऑनलाइन कथा चल रही है।हाल ही में मोरारी बापू ने श्रद्धालुओं की मदद से अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपए भेजने का ऐलान किया गया था।

बापू के इस ऐलान के बाद गुजरात समेत देश-विदेश से श्रद्धालु दिल खोलकर दान कर रहे हैं। अब तक रु. 16.80 करोड़ एकत्र हो चुके हैं और कथा जारी रहने तक इसका आंकड़ा और भी बढ़ने की संभावना है। दुनियाभर में बसे भारतीय अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए यथाशक्ति दान कर रहे हैं। अब तक अमेरिका से 3.51 करोड़ रुपए, ब्रिटन से रु. 2.80 करोड़ रुपए दान मिला है। इसके अलावा यूरोपियन देशों से भी श्रद्धालुओं में इस पवित्र कार्य में अपना योगदान दिया है।

हिम्मतनगर में बाघ का वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग हरकत में

क्रांति समय सुरत

साबरकांठा, हिम्मतनगर में बाघ होने का वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग हरकत में आ गया है और जांच शुरू कर दी है। हालांकि वन विभाग वायरल वीडियो के बारे में पुष्टि नहीं की जानकारी के मुताबिक उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले की हिम्मतनगर तहसील के हुंज गांव के आसपास एक बाघ की मौजूदगी का वीडियो वायरल होने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। बाघ का वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग भी हरकत में आ गया। सोशल मीडिया वायरल वीडियो हुंज गांव का होने की पुष्टि नहीं की गई है। वन विभाग ने हिम्मतनगर में बाघ होने की पुष्टि नहीं की। लोगों में चर्चा है कि दो सप्ताह पहले बाघ और उसका बच्चा ईडर क्षेत्र में दिखाई दिया था। ईडर के वसाई और जुमसर के आसपास अपने बच्चे के साथ बाघिन देखे जाने की स्थानीय लोगों में चर्चा है। जीवदया प्रेमी क्षेत्र में बाघ होने का दावा कर रहे हैं। फिलहाल डीएफओ ने कहा है कि जहां बाघ देखा गया है, वहां कैमरे लगाए जाएंगे। कुछ साल पहले यहां बाघ देखा गया था, लेकिन फिलहाल इसके होने की पुष्टि नहीं की जा सकती।

कोरोना स्थिति का जायजा लेने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री आज सूरत जाएंगे

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल रविवार को सूरत जाएंगे । अहमदाबाद के बाद सूरत में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा हैं। जिसे देखते हुए रूपाणी और पटेल कल सूरत जाएंगे और स्थानीय विधायकों और अधिकारियों के साथ कोरोना की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करेंगे। साथ ही सूरत में 1000 बैड की तैयार कोविड 19 अस्पताल का लोकार्पण भी करेंगे।

बता दें कि हाल ही में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने राजकोट और वडोदरा में कोरोना की स्थिति का जायजा लिया था।

अब रूपाणी और पटेल सूरत जा रहे हैं, जहां कोरोना का आंकड़ा 13349 पर पहुंच गया और 423 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है।

बगैर मास्क निकले तो भरना होगा 500 रुपए जुर्माना

गुजरात में आज से अनलॉक 3 लागू हो गया है और लोगों को रात्रि कर्फ्यू से संपूर्ण मुक्ति मिल गई हैद्य लेकिन मास्क नहीं पहनने पर जुर्माना 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया हैद्य गुजरात में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसकी रोकथाम के लिए मास्क लगाना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य है। सरकार के सख्त आदेशों के बावजूद कई लोग न तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं और न मास्क लगा रहे हैं। ऐसे पर लोगों को पर पहले 200 रुपए जुर्माने का प्रावधान था, जिसे आज यानी 1 अगस्त से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया है।

हांलाकि पहले राज्य के विभिन्न शहरों में अलग अलग जुर्माना वसूला जाता है। लेकिन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्यभर में 1 अगस्त से मास्क नहीं पहनने पर एक समान जुर्माना लगाने का फैसला किया हैद्य जिसके मुताबिक अब बगैर मास्क बाहर निकलने पर रु. 500 का जुर्माना भरना पड़ेगा ।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)